प्रश्नपत्र 5 : उच्च लेखांकन
(PAPER 5 : ADVANCE ACCOUNTING)

भाग I : नवम्बर, 2015 की परीक्षा में लागू होने या न लागू होने को दर्शाती उद्घोषणाएँ

(अ) नवम्बर, 2015 परीक्षा में लागू

(i) अनुच्छेद 46 कम्पनी के अतिरिक्त संस्थानों के लिए

कम्पनी मामलों के मंत्रालय (MCA) ने पैरा 46 में निगमीय संस्थान तथा ICAI ने भी अपने लेखामानक 11 के पैरा 46 में गैर–निगमित संस्थान माह फरवरी, 2014 को शामिल किया गया हैं।

46(1). 7 दिसम्बर, 2006 से शुरू होने वाले या उसके बाद वाले लेखा अवधि के परिपेक्ष में (उक्त विकल्प अखण्डनीय होगा और सभी विदेशी मुद्रा की मौद्रिक मदों पर लागू होगा) मौद्रिक मद पूर्वावधि में प्रारम्भिक रूप से अभिलिखित या पूर्वकालीन वित्तीय विवरणों में दरों के अन्तर के फलस्वरूप उत्पन्न होने वाले विनियम अन्तर, यदि वे ह्रास योग्य पूँजीगत सम्पत्तियाँ के अधिग्रहण से सम्बन्धित है तो सम्पत्तियाँ के मूल्य में जोड़ा या घटाया जायेगा और कम्पनी के शेष जीवन अवधि पर अवमूल्यित किया जायेगा तथा अन्य दूसरे दशाओं मे 'विदेशी मुद्रा एवं मौद्रिक मद अनुवाद अन्तर वर्णन खाते में ''समाहित कर संस्थान के वित्तीय विवरण में दर्शाया जायेगा और उक्त दीर्घकालीन सम्पत्ति या दायित्व की शेष जीवन अवधि में परिशोधित किया जायेगा, प्रत्येक उक्त अवधि में आय या व्यय के रूप में मान्य होगा, इस अपवाद के साथ कि विनियम दरों का निस्तारण अनुच्छेद 15 में वर्णित नियम के प्रावधानों के अन्तर्गत किया जायेगा।

(2) उप–अनुच्छेद (1) में वर्णित संदर्भित विकल्प के उपयोग हेतु दीर्घकालीन विदेशी मुद्रा एवं मौद्रिक मद के लिए सम्पत्तियाँ या दायित्व प्राधिकृत होंगे यदि वे 12 माह या इससे अधिक अवधि से विदेशी मुद्रा में अभिव्यक्त हों, अपने प्रारम्भ की तिथि से इस शर्त के साथ कि संस्थान विकल्प का उपयोग एवं परिशोधनशील राशि का प्रकटीकरण करेगा, बची हुई राशि के विकल्प का उपयोग भी समयावधि के वित्तीय विवरण से प्रत्येक अन्तर अवधि में परिशोधित राशि शेष रहने तक परिशोधित की जायेगी।

(ii) **कम्पनी अधिनियम, 2013** से संबंधित धाराएँ जिसकी घोषणा 31 मार्च, 2015 तक की गई, वह नवम्बर 2015 की परीक्षा से लागू होंगी।

वैधानिक तरलता अनुपात (SLR) का अनुरक्षण

(iii) यह विज्ञप्ति सं. DBOD No.Ref. BC.70/12.02.001/2014-15 दिनांक 3 फरवरी 2015 के अनुसार यह निश्चित किया गया कि सभी अनुसूचित व्यापारिक बैंक, स्थानीय क्षेत्र के बैंक तथा क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक की मांग एवं समय दायित्व 21.5% से कम नहीं होगा जो 7 फरवरी, 2015 को शुरू होने वाले पखवारे से प्रभावी होगा।

© The Institute of Chartered Accountants of India

(iv) रोकड़ संचय अनुपात का अनुरक्षण

भारतीय रिजर्व बैंक ने सूचियत व्यापारिक बैंकों के रोकड़ संचय अनुपात (CRR) को 25 बिन्दु से कम करने का निर्णय लिया जो कि शुद्ध मांग एवं समय दायित्व () का 4.25 प्रतिशत से 4 प्रतिशत होगा जो विज्ञप्ति सं. DBOD.No.Ref.BC. 76/12.01.001/2012-13 दिनांक 29 जनवरी, 2013 द्वारा 9 फरवरी, 2013 को शुरू होने वाले पखवारे से प्रभावी होगा। स्थानीय क्षेत्र के बैंक भी अपनी शुद्ध मांग एवं समय दायित्व का 3% रोकड़ संचय अनुपात दिनांक 8 फरवरी, 2013 तक एवं 9 फरवरी, 2013 से शुरू होने वाले पखवारे से अपनी शुद्ध मांग एवं दायित्व का 4 प्रतिशत बनाये रखने का निर्वहन करेंगे।

(v) **वैधानिक तरलता अनुपात (SLR) को परिपक्वता श्रेणी में रखने के लिए**

सरकारी प्रतिभूति बाजार एवं उसकी तरलता के सम्बंध में सरकारी आदेशों में कुछ अतिरिक्त नये परिवर्तन किये हैं। यह निर्णय किया गया कि SLR प्रतिभूतियाँ जो HTM के अन्तर्गत आती हैं NDTL को 24% से धीरे–धीरे 22% किया जायेगा। उक्त के अनुसार यह सुझाव दिया जाता है कि बैंक HTM श्रेणी में कुल विनियोग की सीमा को 25% से बढ़ा सकती हैं।

(अ) केवल आधिक्य को SLR प्रतिभूतियो में बढ़ाया जा सकता है तथा

(ब) 10 जनवरी, 2015 SLR प्रतिमूतियाँ जो HTM की श्रेणी में आती हैं उनको 23.50 प्रतिशत से अधिक नहीं कर सकती है। 23.0 प्रतिशत 4 अप्रैल, 2015, 22.5 प्रतिशत 11 जुलाई, 2015 तथा 22.0 प्रतिशत 19 सितम्बर, 2015 से प्रभावी होगा। यह DTL पिछले भाुक्रवार के द्वितीय पखवारे से लागू किया जायेगा।

यह परिवर्तन DBOD.No.BP.BC.42/21.04.14.141/2014-15 दिनांक 7 अक्टूबर 2014 के अनुसार है।

(vi) व्यापारिक क्रियाओं के प्रारम्भ करने की तिथि में संशोधन

परिपत्र संख्या DBOD.No.BP.BC.33/21.04.048/ 2014-15 दिनांक 14 अगस्त, 2014 में कहा कि व्यापार क्रियाओं के प्रारम्भ करने की तिथि में संशोधन तथा इसके परिणामस्वरूप पुनर्भुगतान अनुसूची के बराबर या छोटी अवधि (प्रारम्भिक तिथि का पुनर्भुगतान अनुसूची शामिल) को पुनःनिर्माण (Restructuring) नहीं माना जाएगा। बशर्ते

(अ) संशोधित DCCO यदि दो वर्षो के अन्तर्गत जाता है एवं मूल DCCO वित्तीय बन्द होने की तिथि से एक वर्ष में क्रमशः इन्फ्रास्टक्चर प्रोजेक्ट में एवं नान–इन्फ्रास्टक्चरल प्रोजेक्ट में।

(ब) ऋण की अन्य शर्ते एवं दशाओं में कोई परिवर्तन नही होगा।

(vii) भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (अंश आधारित कर्मचारी लाभ) नियम, 2014

सेबी की विज्ञप्ति संख्या LAD–NRO/GN/2014-15/16/1729 दिनांक 28 अक्टूबर 2014 में सेबी ने गाइडलाइन, 1999 (कर्मचारी स्टॉक विकल्प योजना) को

© The Institute of Chartered Accountants of India

प्रतिस्थापित करते हुए उसके स्थान पर सेबी ने (अंश आधारित बेनिफिट) नियम, 2014 बनाया है। यह अधिनियम कर्मचारी स्टॉक विकल्प योजना के सम्बन्ध में अनेक प्रावधान डील करता है। कर्मचारी स्टॉक क्रय योजना, स्टॉक वृद्धि अधिकार योजना, सामान्य कर्मचारी लाभ योजना एवं अवकाश लाभ योजना में अनुसुचित कम्पनियाँ। नियम में योग्य कर्मचारी की परिभाषा क्षतिपूर्ति कमेटी की संरचना, अंशधारियों के निर्गमन की शर्तो का अनुमोदन, सूचीयन एवं उनकी पालना करना इत्यादि।

विज्ञप्ति की सम्पूर्ण जानकारी के लिए कृपया लिंक का संदर्भ

http://www.sebi.gov.in/cms/sebi_date/attachdocs/1414568485252.pdf

(ब) नवम्बर, 2015 की परीक्षा में लागू न होने वाले

(i) कम्पनी मामलों के मंत्रालयों द्वारा निर्गमित द्वितीय लेखा मानक (Ind ASs**)**

द्वितीय लेखा मानक नवम्बर, 15 की परीक्षा में शामिल होने वाले छात्रों पर लागू नही होंगे।

(ii) विघुत कम्पनियों का वित्तीय प्रतिवेदन

शीर्षक ''विद्युत कम्पनियों का वित्तीय विवरण'' नवम्बर, 2015 एवं आगे की परीक्षा में शामिल नहीं है।

भाग II : प्रश्न एवं उत्तर

प्रश्न

साझेदारी खाते

साझेदारी फर्म का विघटन

1. P, Q, R, एवं S लाभ–हानि 3 : 3 : 2 : 1 के अनुपात में बांटते हैं। वर्ष के दौरान R द्वारा किये गये कपटों को पकड़ा गया तथा साझेदारी को भंग करने का निर्णय 31 मार्च, 2014 को लिया गया जब उक्त तिथि को चिट्ठा निम्न प्रकार था :

दायित्व	राशि (₹)	सम्पत्तियाँ	राशि (₹)
पूँजी :		भवन	1,90,000
P	1,50,000	स्टॉक	1,30,000
Q	1,50,000	विनियोग	50,000
R	–	देनदार	70,000
S	60,000	रोकड़	30,000
सामान्य संचय	40,000	R	40,000
व्यापारिक लेनदार	80,000		
देय बिल	30,000		
	5,10,000		5,10,000

© The Institute of Chartered Accountants of India

आपकों निम्न सूचनाएं दी जा रही हैं :

(i) देनदार से एक चेक ₹ 7,000 प्राप्त हुआ था परन्तु उसका पुस्तकों में नहीं लेखा किया गया तथा R द्वारा उसका दुरुप्रयोग किया गया।

(ii) विनियोग जिसकी लागत ₹ 8,000 थी उसको R द्वारा ₹ 11,000 में बेचा गया तथा कोष को अपने व्यक्तिगत खाते में हस्तान्तरण कर लिया। उक्त विक्रय को पुस्तकों से गायब कर दिया गया।

(iii) विनियोग जिसका पुस्तक मूल्य ₹ 9,000 है उसको एक लेनदार ₹ 13,000 में लेने को सहमत हो गया। शेष लेनदारो का 5% कटौती पर भुगतान किया गया।

(iv) अन्य सम्पत्तियों की वसूली निम्न प्रकार हुई :

भवन	पुस्तक मूल्य का 110%
स्टॉक	₹ 1,20,000
विनियोग	शेष विनियोग को ₹ 7,000 के लाभ पर बेचा गया।
देनदार	शेष देनदारो से 10% छूट पर वसूली हुई।

(v) देय विपत्र का समझौता ₹ 500 की छूट पर किया गया।

(vi) समापन व्यय ₹ 8,000 था।

(vii) यह पाया गया की R की निजी सम्पत्तियों के विक्रय से मात्र ₹ 7,000 वसूल हुए।

वसूली खाता, रोकड़ खाता, साझेदारो के पूँजी खाते बनाइये। सभी क्रियात्मक टिप्पणियाँ प्रश्न का भाग हैं।

साझेदारी फर्म को कम्पनी को बेचने पर

2. लाभ–हानि 2 : 2 : 1 अनुपात में बांटते हैं और ABC लिमिटेड एक कम्पनी है जो समान व्यापार करती है।

31.03.2015 को फर्म एवं कम्पनी के आर्थिक चिट्ठों का सारांश निम्न है :

दायित्व	**XYZ कं.**	**ABC लि.**		**XYZ कं.**	**ABC लि.**
समता अंश पूँजी			प्लाण्ट एवं मशीनरी	5,00,000	16,00,000
10 ₹ वाले समता अंश		20,00,000	फनीचर एवं फिक्चर्स	50,000	2,25,000
साझेदारों की पूँजी :			स्कन्ध	2,00,000	8,50,000
			व्यापारिक प्राप्य	2,00,000	8,25,000
X	2,00,000		बैंक में रोकड़	10,000	4,00,000
Y	3,00,000		हस्तस्थ रोकड़	40,000	1,00,000
Z	1,00,000				

© The Institute of Chartered Accountants of India

सामान्य संचय					
व्यापारिक	1,00,000	7,00,000			
लेनदार	3,00,000	13,00,000			
	10,00,000	40,00,000		10,00,000	40,00,000

यह निर्णय लिया गया है कि फर्म XYZ एण्ड कम्पनी का समापन कर दिया जायेगा जिसकी समस्त सम्पत्तियाँ (नकद रोकड़ तथा बैंक में रोकड़ को छोड़कर) तथा समस्त दायित्व को ABC लि. लेगी इसके लिए ABC लि. 50,000 अंश ₹ 10 वाले ₹ 2 प्रीमियम पर निर्गमित करेगी।

XYZ एण्ड कम्पनी के साझेदार ABC लि. के अंशों को लाभालाभ अनुपात में बाँटने के लिए सहमत हो गये तथा आवश्यक पूँजी समायोजन के लिए नकद राशि लायेंगे।

XYZ एण्ड कम्पनी के व्यापारिक देय ₹ 1,00,000 ABC लि. में शामिल हैं तथा XYZ एण्ड कम्पनी की खाता में लेखा न होने वाले दायित्व को भी ABC लि. को लेने पडेंगे।

बनाइये :

(i) XYZ एण्ड कम्पनी की पुस्तकों में वसूली खाता, साझेदारो के पूँजी खाता, हस्तस्थ रोकड़ तथा बैंक में रोकड़ खाता।

(ii) ABC लि. की पुस्तकों में XYZ एण्ड कम्पनी के अधिग्रहण से सम्बन्धित जर्नल लेखे तथा अधिग्रहण के बाद का चिट्ठा बनाइये।

साझेदारी को कम्पनी में परिवर्तन करने पर

3. P, Q एवं R तीन साझेदार हैं जो पूँजी पर 9% प्रतिवर्ष ब्याज काटने के बाद 3 : 2 : 1 के अनुपात में लाभ–हानि बाँटते हैं। 31 मार्च, 2015 को उनका चिट्ठा निम्न है :

दायित्व		₹	सम्पत्तियाँ	₹
पूँजी खाते			प्लाण्ट एवं मशीनरी	1,08,000
P	50,000		फिक्चर्स	20,000
Q	30,000		स्टॉक	50,000
R	20,000	1,00,000	विविध देनदार	30,000
संचय कोष		60,000		
लेनदार		48,000		
		2,08,000		2,08,000

साझेदारो ने साझेदारी को एक निजी कम्पनी जिसका नाम PQR प्राइवेट लिमिटेड में बदलने के लिए आवेदन किया तथा 1.04.2015 को प्रमाणपत्र प्राप्त हो गया था। उन्होंने निर्णय किया कि पूर्व के समान लाभ–हानि अनुपात बनाये रखेंगे तथा पूँजी के पुनर्भुगतान की प्राथमिकता को जहाँ तक संभव हो सरंक्षित रखेंगें। इस उद्देश्य के लिए, उन्होंने पार्षद

© The Institute of Chartered Accountants of India

सीमानियम के वाक्य में जोड़ा कि पूर्वाधिकार अंशों का निर्गमन 10% वाले समता अंशों के अतिरिक्त होगा।

1.04.2015 को ख्याति के मूल्य का निर्धारण गत 5 वर्षों के औसत लाभ का दो वर्षों के क्रय के आधार पर किया जायेगा। लाभों का विवरण निम्न है :

		₹
31.03.2011 वर्ष के अन्त में	लाभ	10,000
31.03.2012 वर्ष क अन्त में	हानि	5,000
31.03.2013 वर्ष के अन्त में	लाभ	18,000
31.03.2014 वर्ष के अन्त में	लाभ	27,000
31.03.2015 वर्ष के अन्त में	लाभ	30,000

31.03.2012 को समाप्त होने वाले वर्ष की हानि में ₹ 10,000 तक की हानि हड़ताल से थी।

प्लाण्ट एवं मशीनरी जिसका मूल्यांकन ₹ 1,02,000 को छोड़कर यह निर्णय किया गया कि सभी सम्पत्तियाँ का 31.03.2015 के चिट्ठे आधार पर मूल्यांकन होगा।

आपको बनाने की आवश्यकता है :

(अ) 1.04.2015 को कम्पनी का चिट्ठा

(ब) साझेदारों के पूँजी खाते

(स) साझेदारों के बीच में होने वाले अन्तिम समझौते का विवरण पत्र Q की पूँजी को आधार मानते हुए।

सीमित दायित्व वाली साझेदारी (LLPs) के लेखांकन से सम्बधिंत महत्वपूर्ण बातें

4. Differentiate on ordinary partnership firm with an LLP. Under what circumstances, an LLP may be wound up by the Tribunal?

कर्मचारी स्टॉक विकल्प योजना

5. 1 अप्रैल, 2014 को कम्पनी ने ₹ 25 प्रति अंश मूल्य पर अपने 400 कर्मचारियों को प्रति कर्मचारी, 100 अंशों का विकल्प दिया। कर्मचारियों को अंशों को स्वीकार करने के लिए एक माह का समय दिया गया। स्वीकार करने की तिथि 30 अप्रैल, 2014 से तीन वर्षों के लॉक–इन (lock-in) अवधि पर आधारित योजना पर इन अंशों का निर्गमन किया जायेगा। स्वीकार करने की तिथि को अंशों का बाजार मूल्य ₹ 30 प्रति अंश था। स्वामित्व का अधिकार मिलने के बाद से हस्तान्तरण पर प्रतिबंध के कारण अंशों का विकल्प योजना में निर्गमन मूल्य ₹ 28 प्रति अंश अनुमानित है। 30 अप्रैल, 2014 तक 50 प्रतिशत कर्मचारियों ने इस योजना को स्वीकार कर लिया तथा ₹ 25 प्रति अंश भुगतान पर क्रय कर लिया। अंशों का अंकित मूल्य ₹ 10 प्रति अंश है। उपरोक्त योजना के तहत कम्पनी की पुस्तकों में अंशों के निर्गमन को दिखाइये।

© The Institute of Chartered Accountants of India

ऋणपत्रों का शोधन

6. 30 जून, 2014 पर ABC लिमिटेड के चिट्ठे का सारांश निम्न था :

दायित्व	₹
अंश पूँजी : 8,00.000 पूर्ण प्रदत्त समता अंश ₹ 10 वाले	80,00,000
सामान्य संचय	1,10,00,000
ऋणपत्र शोधन संचय	70,00,000
1,50,000, 12% संचयी ऋणपत्र ₹ 100 प्रति अंश	1,50,00,000
अन्य ऋण	70,00,000
चालू दायित्व एवं प्रावधान	1,80,00,000
	6,60,00,000
सम्पत्तियाँ	
स्थायी सम्पत्तियाँ (लागत में ह्रास घटाकर)	2,50,00,000
ऋणपत्र शोधन संचय विनियोग	60,00,000
रोकड़ एवं बैंक शेष	80,00,000
अन्य चालू सम्पत्तियाँ	2,70,00,000
	6,60,00,000

ऋणपत्रों के शोधन की देय तिथि 30 जून, 2014 है। निर्गमन के समय यह शर्त थी कि ऋणपत्रों का शोधन 10% प्रीमियम पर एवं यह भी विकल्प निश्चित था कि 25% ऋणपत्रों को समता अंशों में पूर्व निर्धारित ₹ 27.50 प्रति अंश में परिवर्तन किया जायेगा तथा शेष का भुगतान रोकड़ में किया जायेगा।

यह मानते हुए कि :

(i) 80 ऋणपत्रधारियों जिनके पास कुल 50,000 ऋणपत्र थे, को छोड़कर शेष ने अपने परिवर्तन विकल्प का अधिकतम प्रयोग किया।

(ii) विनियोगों की बिक्री से ₹ 70 लाख वसूल हुआ।

(iii) 30 जून, 2014 को सभी लेनदेन बिना व्यवधान के सम्पन्न हो गये।

शोधन के प्रभाव के बाद 30 जून, 2014 को कम्पनी के चिट्ठे को पुनः बनाइये। समता अंशों के आबंटन की संख्या एवं आवश्यक रोकड़ भुगतान की गणना को भी दिखाइये।

© The Institute of Chartered Accountants of India

प्रतिभूतियों की पुनःवापसी (क्रय)

7. एम. लिमिटेड का 31 मार्च, 2015 को संक्षिप्त चिट्ठा निम्न प्रकार प्रस्तुत किया :

	₹ '000 में	₹ '000 में
समता एवं दायित्व		
अंश पूँजी :		
अधिकृत पूँजी		10,000
निर्गमित एवं अभिदत्त पूँजी :		
6,00,000 पूर्ण प्रदत्त समता अंश ₹ 10	6,000	
40,000 9% पूर्वाधिकार अंश ₹ 100 वाले	4,000	10,000
संचय एवं आधिक्य :		
पूँजी संचय	20	
आगम संचय	8,000	
प्रतिभूति प्रीमियम	1,000	
लाभ–हानि खाता	3,600	12,620
गैर–चालू दायित्व – 10% ऋणपत्र		500
चालू दायित्व एवं प्रावधान		380
		23,500
सम्पत्तियाँ :		
स्थायी सम्पत्तियाँ : लागत	6,000	
घटाओ : ह्रास के लिए आयोजन	500	5,500
गैर–चालू विनियोग लागत पर		10,000
चालू सम्पत्तियाँ, ऋण एवं अग्रिम (रोकड़ एवं बैंक शेष शामिल)		8,000
		23,500

कम्पनी ने समता पूंजी के 10% अंश ₹ 15 प्रति अंश पर पुनः क्रय करने का प्रस्ताव पारित किया। उस उद्देश्य के लिए, ₹ 60 लाख के विनियोग को ₹ 50 लाख में बेचा। 1 अप्रैल, 2015 को सभी पूर्वाधिकार अंशों का सम मूल्य पर शोधन किया गया।

आपसे 01.04.2015 को आवश्यक जर्नल प्रविष्टियाँ तथा चिट्ठा बनाना अपेक्षित है।

प्रतिभूतियों का अभिगोपन

8. श्री लि. कम्पनी ने 10,00,000 समता अंशों का जनता के लिए ₹ 100 प्रति अंश से निर्गमन निकाला जिसमें ₹ 60 प्रति अंश आवेदन पर देय हैं। सम्पूर्ण निर्गमन को चार पार्टिया M, N, O, P ने क्रमश: 35%, 30%, 25% एवं 10% के अनुपात में अभिगोपन किया हैं।

अभिगोपन राशि पर 3%की दर से कमीशन का समझौता है।

M, N, O, P का हिस्सा क्रमश: 30,000, 50,000, 40,000, एवं 18,500 अंश है।

© The Institute of Chartered Accountants of India

कुल अभिदान में फर्म अभिगोपन को छोड़कर, चिन्हित आवेदन पत्रों को शामिल करते हुए 8,00,000 अंश थे। चिन्हित आवेदन पत्र निम्न प्रकार प्राप्त हुए :

M : 2,50,000; N : 2,00,000; O : 2,00,000; P : 80,000

प्रत्येक व्यक्तिगत अभिगोपक के दायित्व को निश्चित कीजिए, जब फर्म अभिगोपन का लाभ व्यक्तिगत अभिगोपक को दिया जाता है तथा कम्पनी की पुस्तकों में की जाने वाली जर्नल प्रविष्टियाँ कीजिए। समस्त टिप्पणियां उत्तर का भाग हैं।

कम्पनी का आन्तरिक पुनर्निर्माण

9. प्लैटिनम लिमिटेड ने निर्णय किया कि अत्यधिक हानियों के कारण चिट्ठे का पुनर्निर्माण किया जाये। पुनर्निर्माण के पूर्व 31 मार्च, 2014 को कम्पनी का ड्राफ्ट चिट्ठा निम्न था :

दायित्व	राशि (₹)	सम्पत्तियाँ	राशि (₹)
अंश पूँजी		ख्याति	22,00,000
50,000 पूर्ण प्रदत्त अंश ₹ 50 वाले	25,00,000	भूमि एवं भवन	42,70,000
1,00,000 अंश ₹ 50 प्रति अंश		मशीनरी	8,50,000
40 प्रति अंश प्रदत्त	40,00,000	कम्प्यूटर	5,20,000
पूँजी संचय	5,00,000	स्कन्ध	3,20,000
8% ऋणपत्र ₹ 100 प्रति	4,00,000	व्यापारिक प्राप्य	10,90,000
12% ऋणपत्र ₹ 100 प्रति	6,00,000	बैंक में रोकड़	2,68,000
व्यापारिक देय	12,40,000	लाभ–हानि खाता	7,82,000
अदत्त व्यय	10,60,000		
योग	1,03,00,000	योग	1,03,00,000

मिस्टर शिव एवं मिस्टर गणेश का प्लैटिनम लि. में निम्नलिखित हिस्सा है :

	मिस्टर शिव	मिस्टर गणेश
8% ऋणपत्र	3,00,000	1,00,000
12% ऋणपत्र	4,00,000	2,00,000
योग	7,00,000	3,00,000

न्यायालय एवं सम्बंधित पक्षकारों के अनुमोदन से निम्न आन्तरिक पुनर्निर्माण की योजना बनाई एवं लागू की गई :

(1) अयाचित याचना को पूर्णदत्त किया गया, तथा समस्त सभी अंशों को ₹ 40 वाले समता अंशों में परिवर्तन किया गया।

(2) वर्तमान अंशधारियों ने 12,50,000 अंश ₹ 40 पूर्ण प्रदत्त अंशों को रोकड़ में अभिदान करने को सहमत हो गये।

(3) व्यापारिक लेनदारो को विकल्प दिया गया कि अपनी देय राशि के बदले या तो ₹ 40 पूर्ण प्रदत्त अंश या 70% राशि अपने पूर्ण भुगतान समझौते में स्वीकार करें।

© The Institute of Chartered Accountants of India

व्यापारिक लेनदारों ने ₹ 7,50,000 के अंश तथा शेष राशि के अपने सम्पूर्ण दावे को निपटाने के लिए रोकड़ लेना स्वीकार किया।

(4) शिव अपने सम्पूर्ण देय ऋणपत्रो में से ₹ 2,00,000 के ऋणपत्रो को निरस्त करने के लिए सहमत हो गया तथा शेष बची राशि के लिए 15%ऋणपत्र स्वीकार किया तथा वह ₹ 1,00,000 के 15% ऋणपत्रो को रोकड़ में अभिदान करने पर सहमत हो गया।

(5) मि. गणेश अपने कुल ऋणपत्रों मे से ₹ 50,000 के ऋणपत्रों को निरस्त के लिए सहमत हो गया तथा शेष बची राशि के लिए 15% ऋणपत्र स्वीकार करने पर सहमत हो गया।

(6) भूमि एवं भवन का पूनर्मूल्यांकन ₹ 51,84,000, मशीनरी ₹ 7,20,000, कम्प्यूटर ₹ 4,00,000, स्कन्ध ₹ 3,50,000 तथा व्यापारिक प्राप्य को चिट्ठे में दिखाई राशि में 10% कम कर पूनर्मूल्यांकित किया गया।

(7) अदत्त व्ययों का सम्पूर्ण भुगतान नकद में किया गया।

(8) ख्याति एवं लाभ–हानि को अपलिखित किया गया तथा पूँजी कटौती खाते के शेष को पूँजी संचय द्वारा समायोजित किया जायेगा।

आपसे अपेक्षा है कि उपर्युक्त सम्पूर्ण लेनदेनों से सम्बधिंत जर्नल प्रविष्टियाँ करिये तथा पूनर्निर्माण के तुरन्त बाद का चिट्ठा बनाइये।

कम्पनी का एकीकरण

10. 31 मार्च, 2014 को ड्राफ्ट किया गया चिट्ठा निम्न है :

	लाख में बेस्ट लि.	लाख मे बेटर लि.		लाख मे बेस्ट लि.	लाख मे बेटर लि.
अंश पूँजी			स्थायी सम्पत्तियाँ	25	15
₹ 100 वाले पूर्ण प्रदत्त अंश	20	10	विनियोग	5	–
संचय एवं आधिक्य	10	8	चालू सम्पत्तियाँ	20	5
अन्य दायित्व	20	2		—	—
	50	20		50	20

अतिरिक्त अन्य सूचनाएं निम्नलिखित हैं :

(अ) बेटर लि. ने 1 अप्रैल, 2014 को संचय एवं आधिक्य में से दो अंशों के बदले एक अंश बोनस अंशों का निर्गमन किया।

(ब) यह समझौता हुआ कि बेस्ट लि. द्वारा बेटर लि. के चिट्ठा के आधार पर अधिग्रहण करेगी तथा प्रतिफल के रूप में बेस्ट लि. के अंशों का आबंटन किया जायेगा।

(स) बेस्ट लि. के अंशों को ₹ 150 प्रति अंश में स्वीकार किया जायेगा। बोनस अंशों के निर्गमन के पश्चात बेटर लि. के अंशों का मूलयांकन ₹ 100 में किया जायेगा। अंशों का आबंटन उक्त अंशों के मूल्यों के आधार पर किया जायेगा।

© The Institute of Chartered Accountants of India

(द) बेटर लि. के दायित्व में ₹ 1,00,000 बेस्ट लि. से खरीद का शामिल है जिस पर बेस्ट लि. को लागत पर 25% लाभ था। इस क्रय में से ₹ 50,000 का शेष माल उक्त तिथि को स्टॉक में था।

बेटर लि. की पुस्तकों खातों को बन्द कीजिए तथा बेस्ट लि. की पुस्तकों में प्रारम्भिक जर्नल प्रविष्टियाँ कीजिये एवं अधिग्रहण के पश्चात 1 अप्रैल, 2014 को चिट्ठा बनाइये।

कम्पनी का समापन

11. रघु लि. 31 मार्च, 2014 को ऐच्छिक समापन में चले गये तथा उक्त तिथि का चिट्ठा निम्न था :

दायित्व	₹
निर्गमित एवं अभिदत्त पूँजी	
2,500 समता अंश ₹ 100 प्रति, ₹ 75 भुगतान	1,87,500
7,500 समता अंश 100 ₹ प्रति, ₹ 60 भुगतान	4,50,000
5,000, 6% पूर्ण प्रदत्त संचयी पूर्वाधिकार अंश ₹ 100 प्रति अंश	5,00,000
संचय एवं अधिक्य	
लाभ–हानि खाता	(4,10,000)
गैर–चालू दायित्व	
5% ऋणपत्र (सम्पूर्ण सम्पत्ति पर फ्लोटिंग चार्ज है)	2,50,000
चालू दायित्व	
अल्पकालीन उधार–बैंक अधिविकर्ष	1,00,000
व्यापारिक देय (असुरक्षित)	2,25,000
चालू दायित्व	
ऋणपत्रों पर देय ब्याज	12,500
12 माह के अन्दर सरकारी देय कर	12,500
कर्मचारी का वेतन 4 माह की देय मजदूरी	60,000
	13,87,500
सम्पत्तियाँ	**₹**
दृश्य सम्पत्तियाँ	
भूमि	50,000
भवन	2,00,000
मशीनरी एवं प्लाण्ट	6,25,000
चालू सम्पत्तियाँ	
स्कन्ध	1,37,000
व्यापारिक प्राप्य	2,75,000
रोकड़ एवं रोकड़ तुल्य	1,00,000
	13,87,500

© The Institute of Chartered Accountants of India

अन्य सूचनायें :

(1) बैंक अधिविकर्ष भूमि एवं भवन की रजिस्ट्री द्वारा सुरक्षित है जिसका वसूली मूल्य ₹ 3,00,000 है।

(2) सम्पत्ति से वसूली निम्न है :

	₹
मशीनरी एवं प्लाण्ट	5,00,000
स्कन्ध	1,50,000
व्यापारिक प्राप्य	2,00,000

(3) पूर्वाधिकार अंशों पर लाभांश दो वर्षों का बकाया।

(4) समापन व्यय की राशि ₹ 57,250।

(5) रोकड़ को छोड़कर वसूल की गई सम्पूर्ण सम्पत्तियों पर निस्तारक का 5% कमीशन तथा व्यापारिक देय को भुगतान की गई राशियों पर 1% कमीशन है।

(6) उपरोक्त तिथि तक निस्तारक को सभी सम्पत्तियों पर वसूली हो गई तथा उसी तिथि को सभी दायित्वों का भुगतान कर दिया गया था।

निस्तारक का अन्तिम विवरण पत्र बनाइये।

बीमा कम्पनियों का वित्तीय विवरण पत्र

12. 31.3.2014 को जेमिनी बीमा कम्पनी के पुस्तकों में निम्न शेषों के आधार पर कम्पनी की पुस्तकों में अग्नि बीमा एवं समुद्री बीमा से संबंधित आगम खाता एवं उसी तिथि पर लाभ–हानि खाता बनाइये–

	₹		₹
संचालकों का शुल्क	1,84,000	प्राप्त ब्याज	44,000
लाभांश प्राप्त	2,30,000	स्थायी सम्पत्तियाँ (1.4.2013)	20,00,000
करों के लिए प्रावधान (1.4.13 को)	1,95,000	वर्ष के दौरान आयकर का भुगतान	1,40,000

	अग्नि ₹	**समुद्री** ₹
अदत्त दावे 1.4.2013 को	63,000	15,000
दावों का भुगतान	2,30,000	1,84,000
असमाप्त जोखिम पर 1.4.2013 के लिए संचय	4,60,000	3,20,000
प्रीमियम प्राप्त	10,00,000	7,50,000
एजेन्ट कमीशन	92,000	46,000

© The Institute of Chartered Accountants of India

प्रबन्ध के व्यय	1,40,000	1,00,000
पुनर्बीमा प्रीमियम (डेबिट)	60,000	35,000

निम्नलिखित अतिरिक्त बिन्दुओं को भी ध्यान में रखना है :

(अ) स्थायी सम्पत्तियों पर 5% वार्षिक ह्रास लगाया जायेगा।

(ब) विनियोगों पर ₹ 23,000 ब्याज उपर्जित है।

(स) 31.03.2014 को करों के आयोजन का अंतिम शेष ₹ 2,05,000 बनाये रखना है।

(द) 31.03.2014 को अग्नि बीमा पर ₹ 23,000 तथा समुद्री बीमा पर ₹ 34,000 अदत्त दावे थे।

(य) 31.03.2014 को अग्नि बीमा पर ₹ 70,000 तथा समुदी बीमा पर ₹ 45,000 प्रीमियम राशि अदत्त थी।

(र) अग्नि बीमा एवं समुद्री बीमा के शुद्ध प्रीमियम का क्रमशः 50% एवं 100% असमाप्त जोखिमों के लिए संचय है।

(ल) 31.03.2014 पर प्रबन्ध के व्यय के लिए अग्नि बीमा पर ₹ 20,000 तथा समुद्री बीमा पर ₹ 10,000 देय था।

बैंकिंग कम्पनी का वित्तीय विवरण पत्र

13. 31.03.2014 को टाप बैंक लिमिटेड की पुस्तकों में निम्न संक्षिप्त शेष राशि थी :

	₹
ब्याज एवं छूट प्राप्त	59,29,180
जमाओं पर ब्याज का भुगतान किया	32,59,920
निर्गमित एवं अभिदत्त पूँजी	16,00,000
वेतन एवं भत्ते	3,20,000
संचालकों का शुल्क एवं भत्ते	48,000
किराया एवं कर भुगतान	1,44,000
डाक एवं तार	96,460
वैधानिक संचय कोष	12,80,000
कमीशन, विनिमय एवं दलाली	3,04,000
किराया प्राप्त	1,04,000
विनियोगों के विक्रय पर लाभ	3,20,000
बैंक की सम्पत्तियों पर ह्रास	48,000
वैधानिक/ कानूनी व्यय	44,000
प्रारम्भिक व्यय	40,000
अंकेक्षण शुल्क	28,000

© The Institute of Chartered Accountants of India

निम्नलिखित अतिरिक्त सूचनायें दी हुई हैं :

(i) एक ग्राहक जिसको ₹ 16 लाख अग्रिम दिया गया था दिवालिया हो गया तथा अनुमान है कि उसकी सम्पत्तियों से केवल 40% राशि वसूल होगी।

(ii) एक अन्य उधार पर अंकेक्षकों ने ₹ 2,10,000 का प्रावधान करने को आवश्यक माना है।

(iii) भुनाये हुए बिलों पर कटौती 31.3.2013 को ₹ 19,000 एवं 31.3.2014 को ₹ 25,000 थी।

(iv) वर्ष के दौरान सम्पूर्ण प्रारम्भिक व्ययों को अपलिखित कर दिया गया।

(v) आयकर के लिए ₹ 9,00,000 प्रदान किया गया।

(vi) 31.03.2013 को लाभ–हानि खाते का प्रारम्भिक शेष शून्य था।

31.03.2014 को सामप्त होने वाले वर्ष के लिए टाप बैंक लि. की पुस्तकों में लाभ–हानि खाता बनाइये।

विभागीय खाते

14. विभाग P ने विभाग S को लागत में 25% लाभ पर माल का विक्रय किया तथा Q विभाग को लागत में 15% लाभ पर विक्रय किया। विभाग S ने विभाग P एवं Q को विक्रय पर क्रमश: 20% एवं 30% लाभ लेकर माल का विक्रय किया। विभाग Q ने क्रमश: विभाग P एवं S को लागत में क्रमश: 20% एवं 10% लाभ लेकर विक्रय किया।

विभागीय विक्रय पर न वसूल हुए लाभ को छोड़कर शुद्ध लाभ पर प्रबंधक को 10% कमीशन भुगतान किया जाता है। प्रबन्धक के कमीशन को घटाने के बाद लेकिन न वसूल हुए लाभों के समायोजन के पूर्व लाभ निम्न है :

	₹
विभाग P	90,000
विभाग S	60,000
विभाग Q	45,000

वर्ष के अन्त में विभिन्न विभागों के स्टॉक की स्थिति निम्न थी :

	विभाग (₹)		
	P	**S**	**Q**
P से हस्तान्तरण	–	18,000	14,000
S से हस्तान्तरण	48,000	–	38,000
Q से हस्तान्तरण	12,000	8,000	–

प्रबन्धक का कमीशन लगाने के बाद विभागों के सही लाभ की गणना कीजिए।

© The Institute of Chartered Accountants of India

शाखा खाते

15. यह मानते हुए कि केवल मुख्य कार्यालय विभिन्न शाखाओं के खातों को अपनी पुस्तकों में बनाए रखने के आधार पर शाखाओं के आन्तरिक लेनदेनों के समामेलन सम्बन्धी लेनदेनों का अप्रैल 2014 की मुख्य कार्यालय की पुस्तकों में जर्नल प्रविष्टियाँ कीजिए।

(अ) A.P. शाखा

(1) M.P. से 30,000 तथा U.P. से 25,000 का माल प्राप्त हुआ।

(2) W.B. को ₹ 20,000 तथा U.P. को 30,000 का माल भेजा।

(3) प्राप्त विनिमय प्राप्य –10,000 W.B. से

(4) स्वीकृति भेजी M.P. – ₹ 10,000, U.P. – 20,000

(ब) M.P. शाखा (उपरोक्त को छोड़कर)

(5) U.P. से माल प्राप्त ₹ 20,000 तथा A.P. से ₹ 10,000

(6) A.P. को ₹ 20,000, U.P. को ₹ 10,000 भेजा

(स) W.B. शाखा (उपरोक्त को छोड़कर)

(7) U.P. से माल प्राप्त ₹ 40,000

(8) U.P. को स्वीकृति एवं रोकड़ भेजी क्रमशः ₹ 10,000 तथा ₹ 15,000

(द) U.P. शाखा (उपरोक्त को छोड़कर)

(9) W.B. को रोकड़ भुगतान 20,000 ₹ एवं M.P. को ₹ 10,000

वित्तीय विवरण पत्रों के बनाने एवं प्रस्तुत करने के प्रारूप

16. (अ) वित्तीय विवरण के संन्दर्भ में चार नाम दे।

(1) प्रयोग कर्ता

(2) गुणात्मक विशेषताएं

(3) तत्व

(ब) लेखांकन की मूलभूत मान्यताएं क्या है?

लेखा मानक पर आधारित समस्याएँ

लेखा प्रमाप–4

17. (अ) 31.04.2014 को भूकम्प के कारण PQR Ltd. का एक बड़ा गोदाम नष्ट हो गया। कम्पनी का लेखांकन वर्ष 31.03.2014 को समाप्त होता है। 30.06.2014 तक लेखा प्रमाणित था। भूकम्प से होने वाली हानि का मूल्यांकन ₹ 25 लाख किया गया। कारण सहित बताइये कि भूकम्प की हानि समायोजित या गैर समायोजित घटना है तथा कम्पनी हानि की घटना को किस प्रकार प्रकट करेगी।

© The Institute of Chartered Accountants of India

लेखा प्रमाप–5

(ब) लेखा मानक 5 के आधार पर व्याख्या कीजिए कि क्या यह लेखांकन नीतियों पर परिवर्तन है या नहीं है।

(i) कर्मचारी के अवकाश ग्रहण करने पर तदर्थ (ex-gratia) योजना के स्थान पर नियोक्ता द्वारा चलाई गई नई योजना फार्मल रिटायरमेण्ट ग्रेच्युइटी स्कीम

(ii) प्रबन्धकों ने निर्णय किया कि संगठन में जो भी कर्मचारी 5 वर्ष की सेवा पूर्ण करता है उसको पेंशन का भुगतान किया जायेगा। ऐसे कर्मचारी ₹ 20,000 प्रति माह पेंशन पायेंगे। इससे पहले संगठन में पेंशन की ऐसी कोई योजना नहीं थी।

लेखा प्रमाप–11

18. (अ) विदेशी संचालन से संबंधित सम्पत्ति एवं दायित्व एवं आय एवं व्यय का परिवर्तन भारतीय मुद्रा में वर्ष के अन्त में ले जाना चाहिए तथा प्रचलित विनियम दरों में करने पर, यदि परिवर्तन का परिणाम लाभ है तो क्या अन्य दायित्व खाते में; यदि हानि है तो क्या आगम खाते में चार्ज किया जायेगा। टिप्पणी कीजिए।

लेखा प्रमाप–12

(ब) व्हाइट लि. ने एक स्थायी सम्पत्ति को ₹ 25 लाख में क्रय किया। इसके लिए ₹ 10 लाख सरकारी अनुदान प्राप्त हुआ। अवशेष मूल्य ₹ 5 लाख तथा कार्यशील जीवन 5 वर्ष है। यह माना है कि ह्रास सीधी रेखा पद्धति से लगाना है। सम्पत्ति को चिट्ठे में नेट आफ ग्राण्ट (Net of grant) में दिखाया गया है। एक वर्ष बाद, यदि शर्तों को पूरा नहीं किया जाता तो ₹ 6 लाख का अनुदान वापस करना पड़ेगा। प्रथम दो वर्षों के लिए जर्नल प्रविष्टियाँ कीजिए।

लेखा प्रमाप–16

19. (अ) जी लि. ने 1 जनवरी, 2014 को एक नये भवन का निर्माण कार्य प्रारम्भ किया। 1 जनवरी, 2014 को भवन के निर्माण के लिए 11% ब्याज पर एक विशिष्ट ऋण प्राप्त किया। कम्पनी के दो गैर–विशिष्ट अदत्त ऋण निम्न हैं :

राशि (₹)	ब्याज की दर
3,00,000	12%
7,00,000	14%

भवन परियोजना पर वहन किये गये व्यय निम्नलिखित थे :

	₹
जनवरी, 2014	1,60,000
मई, 2014	2,70,000

© The Institute of Chartered Accountants of India

अगस्त, 2014	4,20,000
दिसम्बर, 2014	1,50,000

31 दिसम्बर, 2014 को भवन का निर्माण कार्य पूर्ण हो गया। लेखा प्रमाप 16 'उधार लागत' के सिद्वान्तों के आधार पर भवन से संबंधित पूँजीकृत किये जाने वाले ब्याज की कुल राशि तथा भवन से संबंधित उधार की कुल लागत की जर्नल प्रविष्टियाँ कीजिए।

लेखा प्रमाप–19

(ब) (i) संचालन पट्टा तथा वित्तीय पट्टा में अन्तर कीजिए।

(ii) L प्राइवेट लि. ने P लि. से एक मशीन पट्टे पर ली। सूचना निम्नलिखित हैः

पट्टा अवधि = 4 वर्ष

इनसेप्टन (inception) पट्टा का उचित मूल्य = ₹ 20,00,000

पट्टे का किराया = 6,25,000 प्रतिवर्ष वर्ष के अन्त में

गारण्टी शुदा अवशेष मूल्य = ₹ 1,25,000

अनुमानित अवशेष मूल्य = ₹ 3,75,000

सन्निहित ब्याज दर = 15%

कटौती दर प्रथम वर्ष, द्वितीय वर्ष, तृतीय वर्ष तथा चतुर्थ वर्ष के लिए क्रमशः

0.8696, 0.7561, 0.6575, एवं 0.5718

लेखा प्रमाप 19 के आधार पर पट्टे के दायित्व की गणना कीजिए।

लेखा प्रमाप–20

20. (अ) वर्ष 1.04.2014 से 31.03.2015 तक प्रस्तुत की गई सूचनाओं के आधार पर मूलभूत तथा विमिश्रित EPS (प्रति अंश अर्जन) की गणना कीजिए एवं वर्ष 1.04.2013 से 31.03.2014 तक प्रति अंश अर्जित आय (EPS) को समायोजित कीजिए।

वर्ष 31.03.2014 के अन्त में शुद्ध लाभ	₹ 75,50,000
वर्ष 31.03.2015 के अन्त में शुद्ध लाभ	₹ 1,00,25,000
1.04.2014 को समता अंशों की संख्या	50,00,250
1.01.2014 को बोनस अंशों का निर्गमन	दो अंशों पर 1 अंश
1.01.2015 को 12% परिवर्तनीय ऋणपत्र 100 वाले ऋणपत्रों की संख्या	1,00,000
ऋणपत्रों के परिवर्तन का अनुपात	प्रति ऋणपत्र 10 अंश
कर दर	30%

लेखा मानक–26

(ब) अक्टूबर, 2013 को AB लि. ने एक परियोजना उत्पाद X के उत्पादन के लिए चालू की। कम्पनी ने 31 मार्च, 2015 तक शोध एवं विकास के व्यय के लिए ₹ 20 लाख

© The Institute of Chartered Accountants of India

व्यय किये। बाजार की स्थिति को ध्यान में रखते हुए अगले 10 वर्षों तक प्रबन्धक ने उत्पादन न करने तथा विक्रय न करने का निर्णय लिया। इसलिए भविष्य में प्रबंधक व्ययों को अपलिखित करने के लिए स्थगित करना चाहता है। लागू होने वाले लेखा प्रमाप के आधार पर सलाह दीजिए।

सुझाये उत्तर/संकेत

1.

वसूली खाता

विवरण	राशि	विवरण	राशि
भवन	1,90,000	व्यापारिक देय	80,000
रहतिया	1,30,000	देय विल	30,000
विनियोग	50,000	रोकड़ :	
देनदारों	70,000	भवन 2,09,000	
रोकड़–लेनदार को भुगतान (W.N.1)	63,650	रहतिया 1,20,000	
रोकड–खर्चे		विनियोग (W.N.2) 40,000	
रोकड़–देय बिल (30,000–500)	8,000	देनदार (W.N.3) 56,700	4,25,700
साझेदारों के पूंजी खाते	29,500	R—अलिखित देनदार	7,000
P 4,183		R—अलिखित विनियोग	11,000
Q 4,183			
R 2,789			
S 1,395	12,550		
	5,53,700		5,53,700

रोकड़ खाता

विवरण	राशि	विवरण	राशि
शेष आगे लाये	30,000	वसूली खाता–लेनदारों का भुगतान	63,650
वसूली–सम्पत्ति वसूली		वसूली खाता–देय विल	29,500
भवन 2,09,000		वसूली खाता–खर्चे	8,000
रहतिया 1,20,000		पूँजी खाता :	
विनियोग 40,000		P	1,51,132
देनदार 56,700	4,25,700	Q	1,51,132
R का पूँजी खाता	7,000	S	59,286
	4,62,700		4,62,700

© The Institute of Chartered Accountants of India

साझेदारों को पूंजी खाते

विवरण	P ₹	Q ₹	R ₹	S ₹	विवरण	P ₹	Q ₹	R ₹	S ₹
शेष आगे लाये			40,000		शेष आगे लाये	1,50,000	1,50,000		60,000
वसूली खाता–देनदारों का दुरुपयोग			7,000		सामान्य संचय	13,333	13,333	8,889	4,445
वसूली खाता – विनियोग का दुरुपयोग			11,000		वसूली लाभ	4,183	4,183	2,789	1,395
R का पूँजी खाता (W.N. 4)	16,384	16,384		6,554	रोकड़ खाता			7,000	
रोकड़ खाता	1,51,132	1,51,132		59,286	P का पूँजी खाता			16,384	
					Q का पूँजी खाता			16,384	
					S का पूँजी खाता			6,554	
	1,67,516	1,67,516	58,000	65,840		1,67,516	1,67,516	58,000	65,840

© The Institute of Chartered Accountants of India

क्रियात्मक टिप्पणियाँ

1. लेनदारों को नगद भुगतान

	₹
पुस्तक मूल्य	80,000
घटाओ : लेनदारों द्वारा लिया जाने वाला विनियोग	(13,000)
	67,000
घटाओ : छूट @ 5%	(3,350)
	63,650

2. विनियोग के विक्रय पर रोकड़ प्राप्त

	₹
पुस्तक मूल्य	50,000
घटाओ : R द्वारा किया गया दुरुप्रयोग	(8,000)
	42,000
घटाओ : लेनदारों द्वारा लिया गया	(9,000)
	33,000
जोड़ो : विनियोगों के विक्रय पर लाभ	7,000
शेष विनियोगों के विक्रय से नकद प्राप्त	40,000

3. देनदारों से नकद प्राप्त

	₹
पुस्तक मूल्य	70,000
घटाओ : लेखा नहीं की गई प्राप्ति	(7,000)
	63,000
घटाओ : छूट @ 10%	(6,300)
	56,700

4. R की कमी

	₹
31 मार्च, 2014 को पूँजी खाते का शेष	40,000
देनदार : दुरुप्रयोग	7,000
विनियोग : दुरुप्रयोग	11,000
	58,000
घटाओ : वसूली लाभ	(2,789)

© The Institute of Chartered Accountants of India

सामान्य संचय	(8,889)
निजी सम्पत्ति से अंशदान	(7,000)
पूँजी की शुद्ध कमी	39,322

R के पूँजी खाते में कमी की राशि ₹ 39,322 को अन्य साझेदार P, Q, S अपने पूँजी के अनुपात 15 : 15 : 6 में विभाजित करेंगे।

उपरोक्तानुसार

कमी में P का हिस्सा = [39,322 × (15 / 36)] = ₹ 16,384

कमी में Q का हिस्सा = [39,322 × (15 / 36)] = ₹ 16,384

कमी में S का हिस्सा = [39,322 × (6 / 36)] = ₹ 6,554

2. (i) XYZ एवं कं. की पुस्तकों में

वसूली खाता

प्लान्ट एवं मशीनरी	5,00,000	व्यापारिक देय	3,00,000
फर्नीचर एवं फिस्चर	50,000	ABC लि. (W.N.)	6,00,000
व्यापार का स्टॉक	2,00,000	साझेदारों के पूँजी खाते (हानि) :	
व्यापारिक प्राप्य	2,00,000	X का पूँजी खाता	20,000
		Y का पूँजी खाता	20,000
		Z का पूँजी खाता	10,000
	9,50,000		9,50,000

साझेदारों के पूँजी खाते

	X (₹)	Y (₹)	Z (₹)		X (₹)	Y (₹)	Z (₹)
वसूली खाता	20,000	20,000	10,000	शेष आगे लाये	2,00,000	3,00,000	1,00,000
ABC लि. में अंश	2,40,000	2,40,000	1,20,000	सामान्य संचय	40,000	40,000	20,000
रोकड़ खाता	–	80,000	–	रोकड़ खाता	20,000	–	10,000
	2,60,000	3,40,000	1,30,000		2,60,000	3,40,000	1,30,000

रोकड़ एवं बैंक खाता

	रोकड़ (₹)	बैंक (₹)		रोकड़ (₹)	बैंक (₹)
शेष वी / डी	40,000	10,000	रोकड़ खाता	–	10,000
बैंक खाता (विपरीत)*	10,000	–	(विपरीत)*		
			Y का खाता	80,000	–

© The Institute of Chartered Accountants of India

X खाता	20,000	–			
Z खाता	10,000	–			
	80,000	10,000		80,000	10,000

*यह माना गया है कि साझेदार Y को ₹ 80,000 का भुगतान करने के लिए बैंक से रोकड़ निकाला गया। यद्यपि, Y के ₹ 80,000 के भुगतान में ₹ 70,000 नकद तथा चैक से ₹ 10,000 था।

(ii) ABC लि. की पुस्तकों में

जर्नल प्रविष्टियाँ

		डेबिट (₹)	क्रेडिट (₹)
1	ब्यापार क्रय खाता डेबिट	6,00,000	
	XYZ एण्ड कम्पनी खाता		6,00,000
	(XYZ कम्पनी का ब्यापार क्रय किया तथा भुगतान देय)		
2	प्लाण्ट एवं मशीनरी खाता डेबिट	5,00,000	
	फर्नीचर एवं फिक्चर्स खाता डेबिट	50,000	
	स्कन्ध खाता डेबिट	2,00,000	
	व्यापारिक प्राप्य खाता डेबिट	2,00,000	
	व्यापारिक देय खाता		3,00,000
	अलिखित दायित्व खाता		25,000
	व्यापार क्रय खाता		6,00,000
	पूँजी संचय खाता (शेष राशि)		25,000
	(समस्त सम्पत्तियों एवं दायित्वों को लेने पर)		
3	XYZ एण्ड कम्पनी डेबिट	6,00,000	
	समता अंश पूँजी खाता		5,00,000
	प्रतिभूतियों पर प्रीमियम खाता		1,00,000
	(क्रय प्रतिफल का निस्तारण ₹ 10 वाले समता अंश ₹ 2 प्रीमियम पर)		
4	व्यापारिक देय खाता डेबिट	1,00,000	
	व्यापारिक प्राप्य खाता		1,00,000
	(आपसी लेनदेन से समाप्त)		

© The Institute of Chartered Accountants of India

31.03.2015 को ABC लिमिटेड का चिट्ठा (XYZ कम्पनी को लेने के बाद)

	नोट्स नं.	₹
समता एवं दायित्व		
अंशधारियों का कोष		
अंश पूँजी	1	25,00,000
संचय एवं अधिक्य	2	8,25,000
चालू दायित्व		
व्यापारिक देय (3,00,000 + 13,00,000 − 1,00,000)		15,00,000
अन्य (अलिखित दायित्व)		25,000
योग		48,50,000
सम्पत्तियाँ		
गैर–चालू सम्पत्तियाँ		
स्थायी सम्पत्तियाँ		
दृश्य सम्पत्तियाँ	3	23,75,000
चालू सम्पत्तियाँ		
स्कन्ध (2,00,000 + 8,50,000)		10,50,000
व्यापारिक व्यापारिक प्राप्य (2,00,000 + 8,25,000 − 1,00,000)		9,25,000
रोकड़ एवं रोकड़ तुल्य	4	5,00,000
योग		48,50,000

लेखों की टिप्पणियाँ

			,
1	**अंश पूँजी**		
	2,50,000 पूर्णप्रदत्त समता अंश ₹ 10 प्रति अंश (उसमें से 50,000 अंशों का प्रतिफल के लिए निर्गमन रोकड़ के अतिरिक्त)		25,00,000
2	संचय एवं अधिक्य		
	प्रतिभूतियों पर प्रीमियम	1,00,000	
	पूँजी संचय	25,000	
	सामान्य संचय	7,00,000	8,25,000
3	दृश्य सम्पत्तियाँ		
	प्लाण्ट एवं मशीनरी (5,00,000 + 16,00,000)	21,00,000	
	फर्नीचर एवं फिक्चर्स (50,000 + 2,25,000)	2,75,000	23,75,000

© The Institute of Chartered Accountants of India

4 रोकड़ एवं रोकड़ तुल्य		
बैक में रोकड़	4,00,000	
हस्तस्थ रोकड़	1,00,000	5,00,000

क्रियात्मक टिप्पणी

क्रय प्रतिफल की गणना

50,000 समता अंश ₹ 12 (10 + 2) प्रति अंश = ₹ 6,00,000

साझेदारों के बीच समता अंशों का बँटवारा

साझेदार X = 20,000 अंश @ ₹ 12 प्रति	2,40,000
साझेदार Y = 20,000 अंश @ ₹ 12 प्रति	2,40,000
साझेदार Z = 10,000 अंश @ ₹ 12 प्रति	1,20,000
	6,00,000

3. (अ) 1.04.2015 को PQR लि. का चिट्ठा

	नोट्स सं.	₹
समता एवं दायित्व		
अंशधारियों का कोष		
अंश पूँजी	1	1,90,000
चालू दायित्व		
व्यापारिक लेनदार		48,000
योग		2,38,000
सम्पत्तियाँ		
गैर–चालू सम्पत्तियाँ		
स्थायी सम्पत्तियाँ	2	1,22,000
अदृश्य सम्पत्तियाँ	3	36,000
चालू सम्पत्तियाँ		
स्कन्ध		50,000
व्यापारिक प्राप्य		30,000
योग		2,38,000

लेखों की टिप्पणियाँ

	₹
1. अंश पूँजी	
18,000 पूर्ण प्रदत्त समता अंश ₹ 10 वाले	1,80,000

© The Institute of Chartered Accountants of India

	पूर्वाधिकार अंश पूँजी	10,000
	(रोकड़ के अतिरिक्त क्रय प्रतिफल के लिए सम्पूर्ण अंशों का निर्गमन)	1,90,000
2.	दृश्य सम्पत्तियाँ	
	प्लाण्ट एवं मशीनरी	1,02,000
	फिक्चर्स	20,000
		1,22,000
3.	अदृश्य सम्पत्तियाँ	
	ख्याति	36,000

(ब) साझेदारी फर्म की पुस्तकों में

साझेदारों के पूंजी खाते

	P	Q	R		P	Q	R
	₹	₹	₹		₹	₹	₹
प्लाण्ट एवं मशीनरी	3,000	2,000	1,000	शेष बी/डी	50,000	30,000	20,000
PQR लि. में समता अंश	90,000	60,000	30,000	संचय कोष	30,000	20,000	10,000
PQR लि. में 9% पूर्वधिकार अंश	5,000		5,000	वसूली खाता (व्यापार के बेचने पर लाभ)	18,000	12,000	6,000
	98,000	62,000	36,000		98,000	62,000	36,000

(स) Q की पूँजी को आधार मानते हुये साझेदारों के बीच अन्तिम समझौता को प्रदर्शित करने वाला विवरण पत्र

	P ₹	Q ₹	R ₹	योग
Q की पूँजी को आधार मानते हुए समता अंशों के आबंटन का मूल्य				
P की पूँजी = 60,000 × 3/2				
R की पूँजी = 60,000 × 1/2	90,000	60,000	30,000	
P, Q, R को आबंटित सम्पूर्ण समता अंशों का मूल्य				1,80,000
9% पूर्वाधिकार अंश P को आबंटन (95,000 − 90,000)	5,000			

© The Institute of Chartered Accountants of India

9% पूर्वाधिकार अंश का R को आबंटन (35,000 – 30,000)			5,000	
P एवं R को कुल आबंटित पूर्वाधिकार अंश				10,000
कुल क्रय प्रतिफल				1,90,000

Q की पूँजी के आधार पर, P एवं Q दोनों के पूँजी खाते में ₹ 5,000 अधिक हैं। अतः आनुपातिक रूप से आधिक्य से तात्पर्य पूँजी के ब्याज की क्षतिपूर्ति करना। जबकि यह साझेदारी में लाभों का आयोजन होगा। 9% पूर्वाधिकार अंश P एवं R को ₹ 5,000 प्रति के हिसाब से दिये जाएंगे एवं बचे हुये ₹ 1,80,000 समता अंश साझेदारों के बीच में 3 : 2 : 1 के अनुपात में बाँटा जायेगा। पूर्वाधिकार अंश के लाभांश बाँटने के बाद कम्पनी का लाभ 3 : 2 : 1 के अनुपात में बाँटेंगे।

क्रियात्मक टिप्पणियां

1. ख्याति की गणना

	2010-11	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15
लाभ	10,000	(5,000)	18,000	27,000	30,000
2011–12 में असामान्य हानि का समायोजन	–	10,000	–	–	–
	10,000	5,000	18,000	27,000	30,000
वर्ष 2010-11 से 2014-15 तक कुल लाभ					90,000
औसत लाभ (90,000/5)					18,000
2 वर्ष क्रय के आधार पर ख्याति का मूल्य					36,000

2. क्रय प्रतिफल–व्यापार की स्थिति का मूल्यांकन

सम्पत्तियाँ	₹
ख्याति	36,000
प्लाण्ट एवं मशीनरी	1,02,000
फिक्चर्स	20,000
स्टॉक	50,000
विविध देनदार	30,000
	2,38,000

© The Institute of Chartered Accountants of India

घटाओ : दायित्व –

लेनदार	48,000
क्रय प्रतिफल	1,90,000

4. साधारण साझेदारी एवं सीमित दायित्व वाली साझेदारी (LLP) में अन्तर

	मुख्य तथ्य	साझेदारी	सीमित दायित्व वाली साझेदारी
1	लागू होने वाले कानून	भारतीय साझेदारी अधिनियम, 1932	सीमित दायित्व साझेदारी अधिनियम, 2008
2	रजिस्ट्रेशन	ऐच्छिक	ROC के साथ अनिवार्य
3	निर्माण	समझौते द्वारा जन्म	कानून द्वारा जन्म
4	निगमीय संस्था	नहीं	हाँ
5	स्वतन्त्र कानूनी अस्तिव	नहीं	हाँ
6	सतत् अस्तित्व	साझेदारी का सतत् अस्तिव नही होता	सतत् अस्तिव होता है। व्यक्तिगत साझेदार आ या जा सकता है।
7	साझेदारों की संख्या	न्यूनतम दो एवं अधिकतम 20 (बैंक की दशा में 10)	न्यूनतम दो परन्तु अधिकतम की सीमा नहीं है।
8	सम्पत्ति का मालिकाना	फर्म सम्पत्ति पर कोई अधिकार नहीं रख सकती है। फर्म की सम्पत्ति में साझेदारों का मालिकाना हक है।	सीमित दायित्व साझेदारी में सम्पत्ति पर स्वतन्त्र अधिकार होता है।
9	साझेदारों/सदस्यों का दायित्व	असीमितः साझेदार व्यक्तिगत रूप एवं संयुक्त रूप से कार्य के लिए जिम्मेदार होते हैं तथा साझेदारों के दायित्व को निजी सम्पत्ति तक बढ़ाया जा सकता हैं।	सीमित दायित्व साझेदारी में अपने अंशदान तक के लिए जिम्मेदार होते हैं। अपवाद स्वरूप साझेदार द्वारा जानबूझ कर कोई गबन गलती करता हैं।
10	मलिक एवं एजेण्ट के सम्बन्ध	साझेदार फर्म के एजेण्ट तथा एक–दूसरे के एजेण्ट होते हैं।	साझेदार केवल फर्म के एजेण्ट होते हैं तथा दूसरे साझेदारों के एजेण्ट नहीं होते हैं।

सीमित दायित्व साझेदारी अधिनियम, 2008 की धारा 64 के अनुसार LLP का समापन ट्रिब्यूनल द्वारा निम्न परिस्थितियों में किया जा सकता है :

- जब सीमित दायित्व साझेदारी (LLP) स्वयं तय करे कि समापन ट्रिब्यूनल द्वारा किया जाये।

© The Institute of Chartered Accountants of India

- 6 माह या उससे अधिक अवधि तक सीमित दायित्व साझेदारी में साझेदारों की संख्या दो से कम है।
- जब सीमित दायित्व वाली साझेदारी अपने दायित्वों का भुगतान में असमर्थ हो।
- जब सीमित दायित्व साझेदारी भारत की प्रभुसत्ता एवं विश्वास के विरूद्ध कार्य करे या भारत की सुरक्षा के विरुद्ध कार्य करे।
- जब सीमित दायित्व साझेदारी जब अपने खातों के विवरण पत्र तथा 5 वित्तीय वर्षों की शोधनक्षमता को दाखिल करने में असफल रहे।
- जब न्यायाधिकार का यह विचार हो कि सीमित दायित्व साझेदारी का समापन कर देना चाहिए।

5. विकल्प का उचित मूल्य = ₹ 28

उचित मूल्य एवं निर्गमित मूल्य का अन्तर = 28 – 25 = ₹ 3

प्रस्ताव को स्वीकार करने वाले कर्मचारियों की संख्या = 400 कर्मचारी × 50%

= 200 कर्मचारी

निर्गमित अंशों की संख्या = 200 कर्मचारी × 100 अंश प्रति कर्मचारी = 20,000 अंश

2014–15 में कर्मचारियों के क्षतिपूर्ति व्यय मान्य = 2,000 अंश × 3 = ₹ 60,000

प्रतिभूति प्रीमियम खाता = 28 – 10 = ₹ 18 प्रति अंश = 20,000 × 18 = ₹ 3,60,000

जर्नल लेखे

दिनांक	विवरण		राशि	राशि
30.04.2014	बैंक (20,000 अंश × 25)	डेबिट	5,00,000	
	कर्मचारी क्षतिपूर्ति व्यय खाता	डेबिट	60,000	
	अंश पूँजी			2,00,000
	प्रतिभूति प्रीमियम			3,60,000
	(200 कर्मचारी ने स्टॉक विकल्प योजना स्वीकार की प्रत्येक कर्मचारी को 100 अंश जिसका मूल्य 25 ₹ तथा उचित मूल्य 28 ₹ हैं।)			

नोट–अत्तः कर्मचारी क्षतिपूर्ति व्यय ₹ 60,000 लाभ–हानि से चार्ज किया गया।

© The Institute of Chartered Accountants of India

6. **ABC लि.**

30 जून, 2014 को चिट्ठा

विवरण	नोट नं.	चालू अवधि के अंत के शेष की रिपोर्ट
(I) **समता एवं दायित्व**		
(1) **अंशधारियों का कोष**		
(अ) अंश पूँजी	1	90,00,000
(ब) संचय एवं आधिक्य	2	1,92,50,000
(2) **गैर–चालू दायित्व**		
(अ) दीर्घकालीन उधार		70,00,000
(3) **चालू दायित्व**		
(अ) अल्पकालीन आयोजन		1,80,00,000
योग		5,32,50,000
(II) **सम्पत्तियाँ**		
(1) **गैर–चालू सम्पत्तियाँ**		
(अ) स्थायी सम्पत्तियाँ		2,50,00,000
(2) **चालू सम्पत्तियाँ**		
(अ) रोकड़ एवं रोकड़ तुल्य		12,50,000
(ब) अन्य चालू सम्पत्तियाँ		2,70,00,000
योग		5,32,50,000

खातों पर नोट्स

			₹
1	**अंश पूँजी**		
	9,00,000 समता अंश ₹ 10 प्रति		90,00,000
2	**संचय एवं आधिक्य**		
	सामान्य संचय	1,10,00,000	
	जोड़ो : ऋणपत्र शोधन संचय का हस्तान्तरण	70,00,000	
		1,80,00,000	
	जोड़ो : विनियोग के विक्रय पर लाभ	10,00,000	
		1,90,00,000	
	घटाओ : ऋणपत्र शोधन पर प्रीमियम	(15,00,000)	1,75,00,000
	प्रतिभूति प्रीमियम खाता		17,50,000
			1,92,50,000

© The Institute of Chartered Accountants of India

क्रियात्मक टिप्पणियाँ :

(i) **आबंटित अंशों की संख्या की गणना :**

ऋणपत्रों की संख्या का योग	1,50,000
घटाओ : परिवर्तन के विकल्प को न लेने वाले ऋणपत्रों की संख्या	(50,000)
	1,00,000
1,00,000 का 25%	25,000
25,000 ऋणपत्रों के शोधन का मूल्य ₹ 110 प्रति	27,50,000

आबंटित समता अंशों की संख्या

$= \frac{27,50,000}{27.50} = 1,00,000$ अंश प्रति ₹ 10 वाले

(ii) **भुगतान किए गये रोकड़ की गणना :**

कुल ऋणपत्रों की संख्या	1,50,000
घटाओ : अंशों में परिवर्तित ऋणपत्रों की संख्या	(25,000)
	1,25,000
1,25,000 ऋणपत्रों का शोधन मूल्य ₹ 110	1,37,50,000
	₹

(iii) **रोकड़ एवं बैंक शेष :**

शोधन के पूर्व शेष	80,00,000
जोड़ो : विनियोग के विक्रय पर आगम	70,00,000
	1,50,00,000
घटाओ : ऋणपत्रधारियों को रोकड़ भुगतान	(1,37,50,000)
	12,50,000

नोट : प्रतिभूति प्रीमियम खाते से भी ऋणपत्रों के शोधन पर प्रीमियम को समायोजित किया जा सकता है।

7. M लि. की पुस्तकों में जर्नल लेखे

		Dr. ’000 **में**	Cr. ’000 **में**
1.	बैंक खाता डेबिट	5,000	
	लाभ–हानि खाता	1,000	
	विनियोग खाता		6,000
	(समता अंशों की पुनर्खरीद के लिये विनियोगों को बेचा गया)		

© The Institute of Chartered Accountants of India

2.	पूर्वाधिकार अंश पूँजी खाता	डेबिट	4,000	
	पूर्वाधिकार अंशधारी खाता			4,000
	(सम मूल्य पर पूर्वाधिकार अंश पूँजी का शोधन)			
3.	पूर्वाधिकारी अंशधारी खाता	डेबिट	4,000	
	बैंक खाता			4,000
	(पूर्वाधिकार अंशधारियों का भुगतान)			
4.	आगम संचय खाता	डेबिट	4,600	
	पूँजी शोधन संचय खाता			4,600
	(शोधनीय पूर्वाधिकार अंशों के अंकित मूल्य तक पूँजी शोधन संचय का निर्माण एवं समता अंश के पुनर्खरीद पर राशि (4,000 + 600))			
5.	समता अंश पूँजी खाता	डेबिट	600	
	प्रतिभूति प्रीमियम खाता (पुनर्खरीद पर देय प्रीमियम)	डेबिट	300	
	समता अंशों का पुनर्खरीद खाता			900
	(समता अंशों के पुनर्खरीद पर देय राशि)			
6.	समता अंश पुनर्खरीद खाता	डेबिट	900	
	बैंक खाता			900
	(समता अंशों के पुनर्खरीद पर भुगतान)			

1 अप्रैल, 2015 को एम. लि. का चिठ्ठा

	नोट्स सं.	**'000 में**
समता एवं दायित्व		
1. अंशधारियों का कोष		
अंश पूँजी	1	5,400
संचय एवं आधिक्य	2	11,320
2. गैर–चालू दायित्व		
दीर्घकालीन उधार	3	500
3. चालू दायित्व		380
योग		17,600
सम्पत्तियाँ		
1. गैर–चालू सम्पत्तियाँ		
(अ) स्थायी सम्पत्तियाँ		5,500
(ब) गैर–चालू विनियोग	4	4,000
2. चालू सम्पत्तियाँ	5	8,100
योग		17,600

© The Institute of Chartered Accountants of India

खातों पर टिप्पणियाँ

		₹	In (000)	In (000)
1.	**अंश पूँजी**			
	अधिकृत अंश पूँजी :			10,000
	निर्गमित, अभिदत्त एवं पूर्ण प्रदत्त अंश पूँजी			
	5,40,000 पूर्णप्रदत्त समता अंश ₹ 10 प्रति अंश			5,400
	(60,000 समता अंश की पुनर्खरीद एवं वर्ष के दौरान निरस्त)			
2.	संचय एवं अधिक्य			
	पूँजी संचय		20	
	प्रतिभूति प्रीमियम	1,000		
	घटाओ : समता अंशों के पुनर्खरीद पर प्रीमियम	(300)	700	
	आगम संचय	8,000		
	घटाओ : पूँजी शोधन संचय में हस्तान्तरण	(4,600)	3,400	
	पूँजी शोधन संचय		4,600	
	अधिक्य (लाभ–हानि खाता)	3,600		
	घटाओ : विनियोगों के विक्रय पर हानि	(1,000)	2,600	11,320
3.	**दीर्घकालीन उधार**			
	10% ऋणपत्र			500
4.	**गैर चालू विनियोग**			
	शेष			10,000
5.	**चालू सम्पत्तियाँ**			
	शेष		8,000	
	जोड़ो : विनियोगों के विक्रय पर नकद प्राप्त		5,000	
	घटाओ : समता अंशधारियों के पुनर्खरीद पर भुगतान राशि		(900)	
	पूर्वाधिकार अंशधारियों को भुगतान		(4,000)	8,100

8. जब फर्म अभिगोपन का लाभ व्यक्तिगत अभिगोपकों को दिया जाता है :

(i) **कुल चिन्हित आवेदन पत्र :**

M	N	O	P	
2,50,000	2,00,000	2,00,000	80,000	= 7,30,000

© The Institute of Chartered Accountants of India

(ii) **फर्म अभिगोपन को छोड़कर अभिदत्त अंश :**

कुल आवेदन पत्र	8,00,000 अंश
घटाओ : चिह्नित आवेदन पत्र	(7,30,000) अंश
गैर चिह्नित	70,000

(iii) **अभिगोपकों के दायित्वों को प्रदर्शित करता हुआ विवरण पत्र**

	M	N	O	P	योग
सकल दायित्व	3,50,000	3,00,000	2,50,000	1,00,000	10,00,000
घटाओ : चिन्हित आवेदन पत्र	(2,50,000)	(2,00,000)	2,00,000	(80,000)	(7,30,000)
	1,00,000	1,00,000	50,000	20,000	2,70,000
घटाओ : गैर चिन्हित (सकल अनुपात में)	(24,500)	(21,000)	(17,500)	(7,000)	(70,000)
	75,500	79,000	32,500	13,000	2,00,000
घटाओ : फर्म अभिगोपन	(30,000)	(50,000)	(40,000)	(18,500)	(1,38,500)
	45,500	29,000	(7,500)	5,500	(61,500)
घटाओ : O. एवं P के अधिक्य का आवंटन M एवं N को (35 : 30)	7,000	6,000	7,500	5,500	-
शुद्ध दायित्व	38,500	23,000	-	-	61,500

(iv) **अभिगोपकों के दायित्व का विवरण पत्र**

	M	N	O	P	योग
फर्म	30,000	50,000	40,000	18,500	1,38,000
अन्य	38,500	23,000	–	–	61,500
योग	68,500	73,000	40,000	18,500	2,00,000

(v) **अभिगोपकों से देय (Due) राशि**

	M	N	O	P	योग
अभिदत्त अंश (iv) के अनुसार	68,500	73,000	40,000	18,500	2,00,000
देय राशि ₹ 60 प्रति अंश	41,10,000	43,80,000	24,00,000	11,10,000	1,20,00,000

© The Institute of Chartered Accountants of India

घटाओ : अभिगोपन पर कमीशन देय	(10,50,000)	(9,00,000)	(7,50,000)	(3,00,000)	(30,00,000)
	30,60,000	34,80,000	16,50,000	8,10,000	90,00,000

(vi) **अभिगोपकों को देय कमीशन**

M	10,00,000 × 100 × 35% × 3% = 10,50,000
N	10,00,000 × 100 × 30% × 3% = 9,00,000
O	10,00,000 × 100 × 25% × 3% = 7,50,000
P	10,00,000 × 100 × 10% × 3% = 3,00,000

जर्नल प्रविष्टि

		डेबिट	**क्रेडिट**
बैंक खाता	डेबिट	5,70,00,000	
अभिगोपन कमीशन खाता	डेबिट	30,00,000	
समता अंश आवेदन पत्र खाता			6,00,00,000

9. प्लैटिनम लि. की पुस्तकों में जर्नल लेखे

		डेबिट	**क्रेडिट**
	बैंक खाता (1,00,000 × 10) डेबिट	10,00,000	
	समता अंश पूँजी खाता		10,00,000
	(अन्तिम याचना की राशि प्राप्त हुई)		
	समता अंश पूँजी खाता (₹ 50) डेबिट	75,00,000	
	समता अंश पूँजी खाता (₹ 40)		60,00,000
	पूँजी कमी खाता		15,00,000
	(पुनर्निर्माण योजना में समता अंश पूँजी ₹ 50 वाले का परिवर्तन ₹ 40 में)		
	बैंक खाता डेबिट	12,50,000	
	समता अंश पूँजी खाता		12,50,000
	(नये अंशों का आबंटन ₹ 40 प्रति)		
	व्यापारिक देय खाता डेबिट	12,40,000	
	समता अंश पूँजी खाता		7,50,000
	बैंक खाता (4,90,000 × 70%)		3,43,000
	पूँजी कमी खाता		1,47,000
	(पुनर्निर्माण योजना के तहत व्यापारिक लेनदारियों का अंशों या रोकड़ में भुगतान 70% तक)		

© The Institute of Chartered Accountants of India

	8% ऋणपत्र खाता डेबिट	3,00,000	
	12% ऋणपत्र खाता डेबिट	4,00,000	
	शिव खाता		7,00,000
	(शिव के 8% एवं 12% ऋणपत्रों का निरस्तीकरण)		
	बैंक खाता डेबिट	1,00,000	
	शिव खाता		1,00,000
	(शिव द्वारा नये ऋणपत्रों का अभिदान)		
	शिव खाता डेबिट	8,00,000	
	15% ऋणपत्र खाता		6,00,000
	पूँजी कमी खाता		2,00,000
	(15% नये ऋणपत्रों का निर्गमन एवं शेष को पुनर्निर्माण योजना के तहत पूँजी कमी खाते में हस्तान्तरण किया गया)		
	8% ऋणपत्र खाता डेबिट	1,00,000	
	12% ऋणपत्र खाता डेबिट	2,00,000	
	गणेश खाता		3,00,000
	(गणेश के 8% एवं 12% ऋणपत्रों का निरस्तीकरण)		
	गणेश खाता डेबिट	3,00,000	
	15% ऋणपत्र खाता		2,50,000
	पूँजी कमी खाता		50,000
	(15% वाले नये ऋणपत्रों का निर्गमन किया गया तथा शेष राशि को पूँजी कमी खाते में हस्तान्तरण किया गया)		
	भूमि एवं भवन खाता डेबिट	9,14,000	
	(51,84,000 – 42,70,000)		
	स्कन्ध खाता डेबिट	30,000	
	पूँजी कमी खाता		9,44,000
	(सम्पत्ति के मूल्यों में वृद्वि हुई)		
	अदत्त व्यय खाता डेबिट	10,60,000	
	बैंक खाता		10,60,000
	(अदत्त व्ययों का रोकड़ में भुगतान किया गया)		

© The Institute of Chartered Accountants of India

	पूँजी कमी खाता डेबिट	33,41,000	
	मशीनरी खाता		1,30,000
	कम्प्यूटर खाता		1,20,000
	व्यापारिक प्राप्य खाता		1,09,000
	ख्याति खाता		22,00,000
	लाभ–हानि खाता		7,82,000
	(पूँजी कमी खाते का प्रयोग लाभ–हानि खाते का डेबिट शेष, ख्याति तथा सम्पत्तियों के मूल्य में कमी को अपलिखित करने के लिए)		
	पूँजी संचय खाता डेबिट	5,00,000	
	पूँजी कमी खाते का		5,00,000
	(पूँजी कमी खाते के डेबिट शेष को पूँजी संचय से समायोजित किया गया)		

31.03.2014 को चिट्ठा (कमी के बाद)

		विवरण	टिप्पणी	₹
		समता एवं दायित्व		
1		**अंशधारियों का कोष**		
	अ	अंश पूँजी	1	80,00,000
2		**गैर–चालू दायित्व**		
	अ	दीर्घकालीन उधार	2	8,50,000
		योग		88,50,000
		सम्पत्तियाँ		
1		**गैर–चालू सम्पत्तियाँ**		
	अ	स्थायी सम्पत्त्तिायाँ		
		दृश्य सम्पत्तियाँ	3	63,04,000
2		चालू सम्पत्तियाँ		
	अ	स्कन्ध		3,50,000
	ब	व्यापारिक प्राप्य		9,81,000
	स	रोकड़ एवं रोकड़ तुल्य		12,15,000
		योग		**88,50,000**

© The Institute of Chartered Accountants of India

लेखों पर टिप्पणियां

1.	**अंश पूँजी**		
	2,00,000 समता अंश ₹ 40 प्रति		80,00,000
2.	**दीर्घकालीन उधार**		
	सुरक्षित		
	15% ऋणपत्र (सुरक्षित मानकर)		8,50,000
3.	**दृश्य सम्पत्तियाँ**		
	भूमि एवं भवन	51,84,000	
	मशीनरी	7,20,000	
	कम्प्यूटर	4,00,000	63,04,000

क्रियात्मक टिप्पणियाँ :

1. **बैंक में रोकड़ खाता**

विवरण	₹	विवरण	₹
शेष बी/डी	2,68,000	लेनदार खाता	3,43,000
समता अंश पूँजी	10,00,000	अदत्त व्यय खाता	10,60,000
समता अंश पूँजी	12,50,000	शेष बी/डी (शेष राशि)	12,15,000
शिव खाता	1,00,000		
	26,18,000		26,18,000

2. **पूँजी कमी खाता**

विवरण	₹	विवरण	₹
मशीनरी खाता	130,000	समता अंश पूँजी	15,00,000
कम्प्यूटर खाता	1,20,000	व्यापारिक लेनदार	1,47,000
व्यापारिक प्राप्य खाता	1,09,000	शिव खाता	2,00,000
ख्याति खाता	22,00,000	गणेश खाता	50,000
लाभ–हानि खाता	7,82,000	भूमि एवं भवन खाता	9,14,000
		स्कन्ध खाता	30,000
		पूँजी संचय खाता	5,00,000
	33,41,000		33,41,000

© The Institute of Chartered Accountants of India

10. बेटर लिमिटेड़ के खाता

स्थायी सम्पत्तियों का खाता

	₹		₹
शेष बी/डी	15,00,000	वसूली खाता (हस्तान्तरण)	15,00,000

चालू सम्पत्तियाँ खाता

	₹		₹
शेष बी/डी	5,00,000	वसूली खाता (हस्तान्तरण)	5,00,000

दायित्व खाता

	₹		₹
वसूली खाता	2,00,000	शेष बी/डी	2,00,000

वसूली खाता

	₹		₹
स्थायी सम्पत्ति खाता	15,00,000	दायित्व खाता	2,00,000
चालू सम्पत्ति खाता	5,00,000	बेस्ट लि. खाता (क्रय प्रतिफल)	15,00,000
		अंशधारी खाता (वसूली से हानि)	3,00,000
	20,00,000		20,00,000

अंश पूँजी खाता

	₹		₹
विविध अंशधारी खाता (हस्तान्तरण)	15,00,000	शेष बी/डी	10,00,000
		संचय एवं आधिक्य खाता (बोनस निर्गमन)	5,00,000
	15,00,000		15,00,000

संचय एवं आधिक्य खाता

	₹		₹
अंश पूँजी (बोनस अंश)	5,00,000	शेष बी/डी	8,00,000
विविध अंशधारी	3,00,000		
	8,00,000		8,00,000

© The Institute of Chartered Accountants of India

बेस्ट लि.

	₹		₹
वसूली खाता (क्रय प्रतिफल)	15,00,000	बेस्ट लि. के अंश	15,00,000
	15,00,000		15,00,000

बेस्ट लि. में अंश

	₹		₹
बेस्ट लि.	15,00,000	विविध अंशधारी	15,00,000

विविध अंशधारियों का खाता

	₹		₹
वसूली खाता (हानि)	3,00,000	अंश पूँजी खाता	15,00,000
बेस्ट लि. में अंश	15,00,000	संचय एवं आधिक्य	3,00,000
	18,00,000		18,00,000

बेस्ट लि. का जर्नल

2014		डेबिट	क्रेडिट
		₹	₹
1 अप्रैल	स्थायी सम्पत्तियाँ खाता डेबिट	15,00,000	
	चालू सम्पत्तियाँ खाता डेबिट	5,00,000	
	दायित्व खाता		2,00,000
	बेटर लि. का निस्तारक खाता		15,00,000
	पूँजी संचय खाता		3,00,000
	(बेटर लि. की सम्पत्तियों एवं दायित्वों को समझौते के आधार पर ₹ 15,00,000 क्रय प्रतिफल के आधार पर अधिग्रहण किया)		
	बेटर लि. का निस्तारक खाता डेबिट	15,00,000	
	अशं पूँजी खाता		10,00,000
	प्रतिभूति प्रीमियम खाता		5,00,000
	(क्रय प्रतिफल को ₹ 10,00,000 के समता अंश ₹ 50 प्रीमियम पर निर्गमित कर निस्तारण किया)		
	व्यापारिक देय खाता डेबिट	1,00,000	
	व्यापारिक प्राप्य खाता		1,00,000
	(बेटर लि. के बकाया लेनदारों को देनदारों के द्वारा भुगतान किया)		

© The Institute of Chartered Accountants of India

	पूँजी संचय खाता डेबिट चालू सम्पति (स्टॉक) खाता (स्टॉक पर न वसूल हुआ लाभ जो चालू सम्पत्ति में शामिल है को संचय खाते से अपलिखित किया गया)	1,00,000	 1,00,000

क्रियात्मक टिप्पणियाँ

क्रय प्रतिफल की गणना

बेटर लि. की निर्गमित पूँजी (बोनस अंशों के निर्गमन के बाद) ₹ 100 की दर से ₹ 15,00,000 थी। बेस्ट कम्पनी द्वारा क्रय प्रतिफल का निस्तारण ₹ 10,00,000 के अंश, ₹ 5,00,000 प्रीमियम पर निर्गमन द्वारा किया गया। यह ₹ 150 प्रति अंश की दर से किया गया।

बेस्ट लि. का चिट्ठा (सविलयन के पश्चात्)

		विवरण	नोट्स	₹
		समता एवं दायित्व		
1.		**अंशधारियों का कोष**		
	अ	अंश पूँजी	1	30,00,000
	ब	संचय एवं आधिक्य	2	17,90,000
2		चालू दायित्व		21,00,000
		योग		**68,90,000**
		सम्पत्तियाँ		
1		**गैर चालू सम्पत्तियाँ**		
	अ	स्थायी सम्पत्तियाँ		
		मूर्त सम्पत्तियाँ	3	40,00,000
	ब	गैर–चालू विनियोग		5,00,000
2		**चालू सम्पत्तियाँ** (24,00,000 − 10,000)		23,90,000
		योग		**68,90,000**

लेखो पर टिप्पणियाँ

		₹	₹
1.	**अंश पूँजी**		
	समता अंश पूँजी		
	निर्गमित एवं अभिदत्त		

© The Institute of Chartered Accountants of India

	30,000 अंश ₹ 100 प्रति (उपरोक्त को अतिरिक्त 10,000 अंश प्रतिफल के लिए रोकड़ के अतिरिक्त निर्गमित किया)		30,00,000
	योग		30,00,000
2.	**संचय एवं अधिक्य**		
	पूँजी संचय (3,00,000 −10,000)		2,90,000
	प्रतिभूति प्रीमियम		5,00,000
	अन्य संचय एवं अधिक्य		10,00,000
	योग		17,90,000
3.	**मूर्त सम्पत्तियाँ**		
	स्थायी सम्पत्तियाँ	25,00,000	
	वर्ष के दौरान अधिग्रहण	15,00,000	40,00,000
	योग		40,00,000

11. **निस्तारक के खाते का विवरण**

प्राप्ति	₹	₹	भुगतान	₹	₹
सम्पत्ति वसूली :			समापन व्यय खाता		57,250
रोकड़ एवं रोकड़ तुल्य	1,00,000		निस्तारक का पारिश्रमिक		59,750
प्लाण्ट एवं मशीनरी	5,00,000		पूर्वाधिकार लेनदार :		
स्कन्ध	1,50,000		कर	12,500	
व्यापारिक प्राप्य	2,00,000	9,50,000	कर्मचारियों की मजदूरी	60,000	72,500
भूमि एवं भवन के विक्रय आगम	3,00,000		ऋणपत्रधारियों को भुगतान		
घटाओ : बैंक			ऋणपत्र	2,50,000	
अधिविकर्स का निस्तारण	1,00,000	2,00,000	ब्याज बकाया	12,500	2,62,500
7,500 समता अंशों से याचना ₹ 60 वाले @ 12.45 तक मांग			व्यापारिक देय		2,25,000
			पूर्वाधिकार अंशधारी :		
			पूर्वाधिकार पूँजी	5,00,000	
			लाभांश बकाया	60,000	5,60,000
			समता अंशधारी–2,500 समता अंशों की वापसी ₹ 75 में ₹ 2.55 प्रति अंश की दर से		6,375
		93,375			
		12,43,375			12,43,375

© The Institute of Chartered Accountants of India

क्रियात्मक टिप्पणियाँ :

(1) निस्तारक के पारिश्रमिक की गणना

सम्पत्ति से वसूली		₹
प्लाण्ट एवं मशीनरी		5,00,000
स्कन्ध		1,50,000
व्यापारिक प्राप्य		2,00,000
भूमि एवं भवन		3,00,000
	योग	11,50,000
वसूल की गई सम्पतियों पर 5% की दर से कमीशन	(A)	57,500
भुगतान किये गये दायित्व		
व्यापारिक देय		2,25,000
	योग	2,25,000
कमीशन @ 1% भुगतान दायित्व पर	(B)	2,250
	योग (A + B)	59,750

(2) अंशतः भुगतान अंशों से माँग

बिना याचना राशि को ध्यान रखे पूर्व प्राप्ति		
रोकड़ एवं रोकड़ तुल्य		1,00,000
प्लाण्ट एवं मशीनरी		5,00,000
स्कन्ध		1,50,000
व्यापारिक प्राप्य		2,00,000
भूमि एवं भवन (बैंक अधिविकर्ष को निपटाने के बाद)		2,00,000
	योग	11,50,000
समता अंशधारियों के अन्तिम भुगतान के पूर्व कुल भुगतान		
निस्तारक का पारिश्रमिक		59,750
समापन व्यय		57,250
पूर्वाधिकार लेनदार		72,500
ऋणपत्रधारियों को भुगतान		2,62,500
व्यापारिक लेनदार		2,25,000
पूर्वाधिकार अंशधारियों को भुगतान		5,60,000
	योग	12,37,000
आधिक्य / कमी समता अंशधारियों के याचना से पूर्व		(87,000)

© The Institute of Chartered Accountants of India

नाममात्र याचना करने पर

25,00 समता अंश @ ₹ 25 प्रति अंश		62,500
7,500 समता अंश @ ₹ 40 पंति अंश		3,00,000
	योग	3,62,500
नोमिनल याचना के बाद अधिक्य रोकड़ शेष		2,75,500
आधिक्य रोकड़ के विवरण के लिए कुल समता अंशधारियों की संख्या (2,500 + 7,500)		10,000
आधिक्य रोकड़ प्रति समता अंश		27.55
₹ 75 वाले चुकता अंश पर वापसी की राशि (27.55 – 25)		2.55
₹ 60 के वाले चुकता अंश पर प्रति अंश याचना (40 – 27.55)		12.45

12. **फार्म B— RA (I R D A द्वारा निर्धारित)**

जेमिनी इन्शोरेन्स कम्पनी लि.

अग्नि एवं समुद्री बीमा व्यापार का आगम खाता

(31 मार्च, 2014 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए)

	अनुसूची	अग्नि चालू वर्ष	समुद्री चालू वर्ष
अर्जित प्रीमियम (शुद्ध)	1	9,65,000	3,20,000
विनियोग के शोधन/विक्रय पर लाभ–हानि		–	–
अन्य (स्पष्ट किया जावे) :			
व्याज, लाभांश एवं किराया (सकल)		–	–
योग (अ)		9,65,000	3,20,000
किये गये दावे (शुद्ध)	2	1,90,000	2,03,000
कमीशन	3	92,000	46,000
बीमा व्यापार से सम्बन्धित परिचालन के खर्चे	4	1,60,000	1,10,000
योग (ब)		4,42,000	3,59,000
अग्नि बीमा/समुद्री बीमा के परिचालन से लाभ (अ – ब)		5,23,000	(39,000)

© The Institute of Chartered Accountants of India

आगम खाता के भाग की अनुसूची

अनुसूची–1

अर्जित प्रीमियम (शुद्ध)		अग्नि चालू वर्ष	समुद्री चालू वर्ष
प्रत्यक्ष व्यवसाय से प्रीमियम		10,70,000	7,95,000
घटाओ–पुनर्बीमा सतान्तरित (Ceded) पर प्रीमियम		60,000	35,000
कुल अर्जित प्रीमियम		10,10,000	7,60,000
घटाइये : असमाप्त जोखिम हेतु आयोजन में परिवर्तन		45,000	4,40,000
		9,65,000	3,20,000
अनुसूची–2			
किये गये दावे (शुद्ध) (W.N. 1)		1,90,000	2,03,000
अनुसूची–3			
कमीशन			
प्रत्यक्ष कमीशन का भुगतान		92,000	46,000
अनुसूची–4			
बीमा व्यवसाय से सम्बन्धित परिचालन खर्चे			
प्रबन्धन के व्यय (W.N. 2)		1,60,000	1,10,000

प्रारूप बी–पी. एल.

जेमिनी इंशोरेन्स कम्पनी लि.

31 मार्च, 2014 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए लाभ–हानि खाता

विवरण	अनुसूची	चालू वर्ष	गत वर्ष
		₹	₹
परिचालन लाभ / (हानि)			
(अ) अग्नि बीमा		5,23,000	
(ब) समुद्री बीमा		(39,000)	
(स) विविध बीमा		–	
विनियोगों से आय			
व्याज, लाभाश, किराया – सकल		2,97,000	
अन्य आय (अलग–अलग दिखाये)			
योग (A)		7,81,000	
आयोजन (करारोपण के अतिरिक्त)			
ह्रास		1,00,000	

© The Institute of Chartered Accountants of India

अन्य खर्चे : संचालक की फीस		1,84,000	
योग (B)		2,84,000	
कर के पूर्व लाभ		4,97,000	
करारोपण के लिए प्रावधान		1,50,000	
कर के बाद लाभ		3,47,000	

क्रियात्मक टिप्पणियाँ

		अग्नि ₹	समुद्री ₹
1.	पुनर्बीमा घटाने के बाद पॉलिसी के तहत बीमा दावे		
	वर्ष के दौरान दावों का भुगतान	2,30,000	1,84,000
	जोड़ो : 31 मार्च, 2014 को अदत्त	23,000	34,000
		2,53,000	2,18,000
	घटाओ : 1 अप्रैल, 2013 को अदत्त	63,000	15,000
		1,90,000	2,03,000
2.	प्रबन्धन के व्यय :		
	वर्ष के दौरान व्यय का भुगतान	1,40,000	1,00,000
	जोड़ो : 31 मार्च, 2014 को अदत्त	20,000	10,000
		1,60,000	1,10,000
3.	पुनर्बीमा घटाकर प्रीमियम		
	वर्ष के दौरान प्राप्त प्रीमियम	10,00,000	7,50,000
	जोड़ो : 31 मार्च, 2014 को अदत्त प्रीमियम	70,000	45,000
		10,70,000	7,95,000
	घटाओ : पुनर्बीमा प्रीमियम	60,000	35,000
		10,10,000	7,60,000

4. अग्नि बीमा के शुद्ध प्रीमियम पर असमाप्त जोखिमों के लिए 50% संचय तथा 100% समुद्री बीमा की दशा में। असमाप्त जोखिम के लिए संचय = 10,10,000 × 50% = ₹ 5,05,000। असमाप्त जोखिमों के लिए संचय का प्रारम्भिक शेष ₹ 4,60,000 था। इसलिये, असमाप्त जोखिम संचय में ₹ 45,000 का अतिरिक्त हस्तान्तरण होगा। इसी तरह से, समुद्री बीमा में असमाप्त जोखिम के लिए अतिरिक्त हस्तान्तरण ₹ 4,40,000 होगा।

© The Institute of Chartered Accountants of India

5. करारोपण खातों के लिए प्रावधान

	₹		₹
31.03.2014 बैंक खाता (कर भुगतान)	1,40,000	1.04.2013 शेष बी/डी	1,95,000
31.03.2014 शेष बी/डी	2,05,000	31.03.2014 लाभ हानि खाता (शेष राशि)	1,50,000
	3,45,000		3,45,000

13. टॉप बैंक लिमिटेड

लाभ–हानि खाता (31 मार्च, 2014 के समाप्त होने वाले वर्ष के लिए)

		अनुसूची	31.03.2014 वर्ष के अन्त में (₹ '000)
I.	**आय**		
	ब्याज अर्जित	13	5,923.18
	अन्य आय	14	728.00
	योग		6,651.18
II	**व्यय**		
	ब्याज व्यय	15	3,259.92
	प्रारम्भिक व्यय	16	768.46
	आयेजन एवं संभ्भावताऐं (960 + 210 + 900)		2,070.00
	योग		6,098.38
III	**लाभ/हानियाँ**		
	वर्ष के लिए शुद्ध लाभ		552.80
	लाभ		nil
			552.80
IV	**नियोजन**		
	वैधानिक संचय में हस्तान्तरण (25%)		138.20
	चिट्ठे में शेष को ले गये		414.60
			552.80

© The Institute of Chartered Accountants of India

		वर्ष 31.03.2014 के अंत में (₹ '000 में)
	अनुसूची 13–अर्जित ब्याज	
I.	ब्याज/अग्रिम/बिल पर छूट (W.N.)	5,923.18
		5,923.18
	अनुसूची 14–अन्य आय	
I.	कमीशन, विनिमय एवं दलाली	304
II.	विनियोगों के विक्रय पर लाभ	320
III.	किराया प्राप्त किया	104
		728
	अनुसूची 15–ब्याज भुगतान (खर्च)	
I.	जमा पर ब्याज का भुगतान	3,259.92
	अनुसूची 16–परिचालन व्यय	
I.	भुगतान एवं कर्मचारियों के लिए आयोजन	320
II.	किराया, कर तथा प्रकाश	144
III.	बैंक की सम्पत्तियाँ पर ह्रास	48
IV.	संचालकों की फीस, भत्ते एवं व्यय	48
V.	अंकेक्षण शुल्क	28
VI.	कानूनी (वैधानिक) चार्ज	44
VII.	डाक एवं तार व्यय	96.46
VIII.	प्रारम्भिक व्यय	40
	योग	768.46

क्रियात्मक टिप्पणीयाँ

	(₹ '000 में)
ब्याज/छूट	5,929.18
जोड़ो : भुनाये हुए बिलों पर कटौती 31.03.2013	19.00
घटाओ : भुनाये हुए बिलों पर कटौती 31.03.2014	25.00
	5,923.18

© The Institute of Chartered Accountants of India

14. **विभागीय भण्डार के सही लाभ की गणना**

	विभाग P (₹)	विभाग S (₹)	विभाग Q (₹)
प्रबन्धक के कमीशन चार्ज के बाद लाभ	90,000	60,000	45,000
जोड़ो : प्रबन्धक का कमीशन (1/9)	10,000	6,667	5,000
	1,00,000	66,667	50,000
घटाओ : स्टॉक पर न वसूल लाभ (WN)	(5,426)	(21,000)	(2,727)
प्रबन्धक का कमीशन से पूर्व लाभ	94,574	45,667	47,273
घटाओ : प्रबन्धक का कमीशन 10%	(9,457)	(4,567)	(4,727)
प्रबन्धक के कमीशन के बाद सही लाभ	85,117	41,000	42,546

क्रियात्मक टिप्पणियाँ

	विभाग P (₹)	विभाग S (₹)	विभाग Q (₹)	योग (₹)
वसूल नहीं हुआ लाभ :				
विभाग P		25/125 × 18,000	15/115 × 14,000	
		= 3,600	= 1,826	5,426
विभाग S	20/100 × 48,000	–	30/100 × 38,000	
	= 9,600		= 11,400	21,000
विभाग Q	20/120 × 12,000	10/110 × 8,000		
	= 2,000	= 727		2,727

15. **मुख्य कार्यालय की पुस्तकों में जर्नल लेखे**

दिनांक	विवरण	डेबिट	क्रेडिट
30.04.2014	W.B शाखा खाता डेबिट	45,000	–
	A.P शाखा खाता		5,000
	M.P शाखा खाता		10,000
	U.P शाखा खाता		30,000
	(अप्रैल, 2014 के आन्तरिक लेनदेनों को मुख्य कार्यालय द्वारा समायोजन प्रविष्टियाँ)		

© The Institute of Chartered Accountants of India

क्रियात्मक टिप्पणीयाँ

आन्तरिक शाखा लेनदेन

			A.P	M.P	W.P	U.P
			₹	₹	₹	₹
अ.	A.P. शाखा					
	1.	माल प्राप्त	55,000 (डेबिट)	30,000 (क्रेडिट)		25,000 (क्रेडिट)
	2.	माल भेजा	50,000 (क्रेडिट)		20,000 (डेबिट)	30,000 (डेबिट)
	3.	प्राप्य बिल प्राप्त	10,000 (डेबिट)		10,000 (क्रेडिट)	
	4.	स्वीकृत बिल	30,000 (क्रेडिट)	10,000 (डेबिट)		20,000 (डेबिट)
ब.	M.P. शाखा					
	5.	माल प्राप्त	10,000 (क्रेडिट)	30,000 (डेबिट)		20,000 (क्रेडिट)
	6.	रोकड़ भेजी	20,000 (डेबिट)	30,000 (क्रेडिट)		10,000 (डेबिट)
स.	W.B. शाखा					
	7.	माल प्राप्त			40,000 (डेबिट)	40,000 (क्रेडिट)
	8.	रोकड़ एवं स्वीकृति भेजी			25,000 (क्रेडिट)	25,000 (डेबिट)
द.	U.P शाखा					
	9.	रोकड़ भेजी		10,000 (डेबिट)	20,000 (डेबिट)	30,000 (क्रेडिट)
			5,000 (क्रेडिट)	10,000 (क्रेडिट)	45,000 (डेबिट)	30,000 (क्रेडिट)

16. (अ) 1. वित्तीय विवरण के प्रयोगकर्ता :

विनियोगकर्ता, कर्मचारी, उधारकर्ता, पूर्तिकर्ता/लेनदार, ग्राहक, सरकार एवं जनता

© The Institute of Chartered Accountants of India

2. वित्तिय विवरण की गुणात्मक विशेषताएं :

समझने योग्य, औचित्य, तुलनात्मकता, विश्वसनियता एवं विश्वासयोग्य प्रतिवेदन

3. वित्तीय विवरण पत्र के तत्व :

सम्पति, दायित्व, समता, आगम/प्राप्ति एवं व्यय/हानि

(ब) मूलभूत लेखांकन मान्यताएं :

अर्जित, चालू व्यापार संकल्पना तथा स्थिरता

17. (अ) लेखा मानक 4 के पैरा 8.3 ''चिट्ठे की तारीख के पश्चात् होने वाली आकस्मिकताएं और घटनाएं'' में वर्णित चिट्ठे की तिथि के पश्चात् घटने वाली ऐसी घटनाओं के सम्बन्ध में सम्पत्तियों और दायित्वों में समायोजन करना उपयुक्त नहीं है। यदि ऐसी घटनायें चिट्ठे की तिथि को विद्यमान परिस्थितियों से सम्बन्ध नहीं रखती हैं। भूकम्प के कारण गोदाम नष्ट हो गया जो चिट्ठे की तिथि *i.e.* 31.03.2014 को मौजूद नहीं है। इसलिये, भूकम्प की हानि को वित्तीय वर्ष 2013–14 में मान्यता प्राप्त नहीं होगी।

यद्यपि, इस प्रमाप के पैरा 8.6 के अनुसार, चिट्ठे की तारीख के पश्चात् असामान्य परिवर्तन संस्थान की स्थिति को प्रभावित करते हैं। चिट्ठे को बनाते समय लेखाकन की मूलभूत मान्यता चालू व्यवसाय को ध्यान में रखना चाहिए। प्रश्न में दी गई सूचना के अनुसार, भूकम्प के कारण काफी नष्ट हो गया, इसलिये लेखांकन की मूलभूत मान्यता चालू व्यवसाय पर विचार करना है।

इसलिए, वित्तीय वर्ष 2013–14 में संचालक के प्रतिवेदन में भूकम्प तथा ₹ 25 लाख की हानि के तथ्य को दिखाना चाहिए।

(ब) लेखा प्रमाप 5 ''अवधि के लिए शुद्ध लाभ–हानि अवधि पूर्व मदें तथा लेखांकन नीतियों में परिवर्तन'' के अनुच्छेद 31 के अनुसार घटनाओं तथा व्यवहारों के बारे में ऐसी लेखांकन नीति अपनाई जाए जो कि पूर्व में अपनाई गई घटनाओं तथा व्यवहारों से महत्वपूर्ण अन्तर रखती हैं तो इसको लेखांकन नीति में परिवर्तन नहीं माना जाता है।

(i) तदर्थ Ex-gratia का भुगतान के स्थान पर फोरमल अवकाश ग्रेच्युटी योजना को नियोक्ता द्वारा लागू करना, लेखांकन नीति में परिवर्तन नहीं है।

(ii) इसी तरह, पहले घटित नहीं होने वाली घटना या जो महत्वपूर्ण व्यवहार नहीं है उनके लिए नई लेखांकन नीति अपनाने को लेखांकन नीति में परिवर्तन नहीं है।

18. (अ) लेखा मानक 11 (संशोधित 2003) के पैरा 8 से 16 तक में वर्णित सिद्धान्त एवं कार्य विधि के अनुसार एकीकृत विदेशी संचालन (उदाहरण, आश्रित विदेशी शाखा) के वित्तीय विवरण का अनुवाद करना चाहिए। वित्तीय विवरण पत्र में विदेशी संचालन से संबंधित व्यक्तिगत मदों का अनुवाद यदि सभी व्यवहारों का लेखा प्रतिवेदन करने वाली संस्था स्वयं करती है।

© The Institute of Chartered Accountants of India

वित्तीय विवरण पत्र में विदेशी संचालन से सम्बन्धित व्यक्तिगत मदों का रूपान्तरण लेनदेन की तिथि पर वास्तविक दर पर किया जाता है। व्यावहारिक कारण हेतु एक दर जो कि व्यवहारों की तिथि पर वास्तविक दर के लगभग का अक्सर प्रयोग होता है। उदाहरण के लिए, माह या सप्ताह का औसत दर उस अवधि के दौरान घटित प्रत्येक विदेशी मुद्रा के सभी व्यवहार हेतु प्रयोग किये जायेंगे। विदेशी मुद्रा की मौद्रिक मदें (उदाहरण स्वरूप रोकड, प्राप्तियाँ, भुगतान के लिए) चिट्ठे की तिथि की अन्तिम दर का प्रयोग किया जाना चाहिए। गैर–मौद्रिक मदों (उदाहरण स्वरूप स्थायी सम्पत्तियाँ, स्कन्ध, विनियोग समता अंशों में) को विदेशी मुद्रा की ऐतिहासिक लागत के अर्थों में लिया जाता है। लेनदेन की तिथि को विनिमय दर का प्रयोग करके इनका प्रतिवेदन किया जाना चाहिए। इसलिए मूर्त स्थायी सम्पत्तियों की लागत एवं ह्रास रूपान्तरण सम्पति के क्रय तिथि की विनिमय दरों में प्रयोग किया जाना चाहिये, यदि सम्पति को लागत पर लाया गया है। अगर स्थायी सम्पति को उचित मूल्य पर आगे लाया गया है तो सम्पत्ति के मूल्यांकन तिथि पर जो दर अस्तित्व में उस पर रूपान्तरित किया जायेगा। स्कन्ध की लागत का रूपान्तरण उस विनिमय दर पर जो कि स्कन्ध द्वारा वहन किया गया था एवं वसूली मूल्य का रूपान्तरण वसूली मूल्य निर्धारण की तिथि पर सामान्य रूप में अन्तिम दर पर।

वित्तीय विवरण पत्रों के रूपान्तरण से जो विनिमय अन्तर उत्पन्न होता है, उसको लाभ–हानि खाते में दिखाया जाना चाहिये। विदेशी विनिमय रूपान्तरण के कारण वित्तीय विवरण पत्र में जो अंतर उत्पन्न होता है उसे लेखा प्रमाप 22 ''आय पर कर के लिए लेखांकन'' के अनुसार दिखाया जायेगा।

अतः प्रबन्धक द्वारा सभी सम्पत्ति एवं दायित्व तथा आगम एवं व्यय का रूपान्तरण विदेशी शाखा के सन्दर्भ में वर्ष के अन्त में दिये गये दर पर किया जाए और इस पर व्यवहार से उत्पन्न विनिमय दर के अंतर को लेखा प्रमाप 11 (संशोधित 2003) के अनुरूप नहीं किया गया।

(ब) जर्नल लेखे

दिनांक	विवरण	लाख में (डेबिट)	लाख में (क्रेडिट)
1	स्थायी सम्पत्ति खाता डेबिट	25	
	बैंक खाता		25
	(स्थायी सम्पत्ति का क्रय)		
	बैंक खाता डेबिट	10	
	स्थायी सम्पत्ति खाता		10
	(सरकार से मिली सहायता से सम्पत्ति का मूल्य कम हुआ)		

© The Institute of Chartered Accountants of India

	ह्रास खाता (W.N.1) डेबिट	2	
	स्थायी सम्पत्ति खाता		2
	(सीधी रेखा पद्धति से ह्रास लगाया गया)		
	लाभ–हानि खाता डेबिट	2	
	ह्रास खाता		2
	(प्रथम वर्ष के अंत में ह्रास को लाभ–हानि खाते में हस्तान्तरण किया गया)		
2.	स्थायी सम्पत्ति खाता डेबिट	6	
	बैंक खाता		6
	(सरकारी सहायता का आंशिक हिस्सा वापस किया क्योंकि जिससे सम्पत्ति की लागत बढ़ गयी थी)		
	ह्रास खाता (W.N.2) डेबिट	3.5	
	स्थायी सम्पत्ति खाता		3.5
	(सीधी रेखा पद्धति से ह्रास पुनर्मूल्यांकन मूल्य पर लगाया गया)		
	लाभ–हानि खाता डेबिट	3.5	
	ह्रास खाता		3.5
	(द्वितीय वर्ष के अंत में ह्रास को लाभ–हानि खाते में हस्तान्तरण किया गया)		

क्रियात्मक टिप्पणियाँ

1. एक वर्ष के लिए ह्रास

	लाख में
सम्पत्ति की लागत	25
घटाओ : सरकारी अनुदान प्राप्त	10
	15
ह्रास (15–5)/5	2

© The Institute of Chartered Accountants of India

2. दूसरे वर्ष के लिए ह्रास

	लाख में
सम्पत्ति की लागत	25
घटाओ : सरकारी अनुदान प्राप्त	(10)
	15
घटाओ : प्रथम वर्ष के लिए ह्रास (15–5 / 5)	2
	13
जोड़ा : वापसी योग्य सरकारी अनुदान	6
	19
द्वितीय वर्ष के लिए ह्रास (19–5) / 4	3.5

19 (अ) (i) संचयी खर्चों के औसत की गणना

	₹
₹ 1,60,000 × 12 / 12	1,60,000
₹ 2,70,000 × 8 / 12	1,80,000
₹ 4,20,000 × 5 / 12	1,75,000
₹ 1,50,000 × 1 / 12	12,500
	5,27,500

(ii) विशिष्ट उधार के अतिरिक्त औसत व्याज दर की गणना

ऋण की राशि (₹)	ब्याज की दर	ब्याज की राशि
3,00,000	12%	36,000
7,00,000	14%	98,000
10,00,000		1,34,000
भारित औसत ब्याज दर {(1,34,000 / 10,00,000) ×100}		13.40% (approx)

(iii) संचयी खर्चों पर औसत ब्याज

	₹
विशिष्ट उधार (2,00,000 × 11%)	22,000
गैर–विशिष्ट उधार (3,27,500* × 13.40%)	43,885
पूँजीकृत की जाने वाली ब्याज की राशि	65,885

*(5,27,500 – 2,00,000)

© The Institute of Chartered Accountants of India

(iv) भवन के लिए पूँजीकृत किये गये कुल व्यय

	₹
भवन की लागत	
(1,60,000 + 2,70,000 + 4,20,000 + 1,50,000)	10,00,000
जोड़ो : ब्याज की राशि जिसका पूँजीकरण किया गया	65,885
	10,65,885

(v) जर्नल लेखे

दिनांक	विवरण	डेबिट	क्रेडिट
31.12.2014	भवन खाता डेबिट बैंक खाता (भवन की लागत एवं उधार की लागत का पूँजीकरण करने पर)	10,65,885	10,65,885

(ब) (i) पट्टा का वर्गीकरण उस मात्रा पर आधारित होता है जिस पर पट्टाधारी या पट्टाकर्ता के पास पड़ी पट्टाधीन सम्पत्ति के स्वामित्व के साथ जोखिम तथा पारितोषिक प्रासंगिक होते हैं।

- बदलती आर्थिक परिस्थितियों के कारण प्रत्याय में परिवर्तन तथा व्यर्थ क्षमता अथवा प्रौद्योगिकी अप्रचलन से उत्पन्न हानियों की सम्भावनायें जोखिम में शामिल हैं ।
- पारिश्रमिक को सम्पत्ति के आर्थिक जीवन के दौरान लाभकारी गतिविधि की सम्भावना तथा अवशेष मूल्य की वसूली या मूल्य वृद्धि से लाभ की सम्भावना द्वारा व्यक्त किया जाता है।

लेखा प्रमाप 19 ''पट्टा हेतु लेखांकन'' के अनुसार पट्टे दो प्रकार के हो सकते है (अ) वित्तीय पट्टा, (ब) संचालन पट्टा।

वित्तीय पट्टा : वित्तीय पट्टा वह पट्टा है जो किसी सम्पत्ति के स्वामित्व से जुड़ी सभी जोखिमों तथा पारिश्रमिक का सारवान तौर पर हस्तान्तरण करता है। परन्तु कानूनी स्वामित्व नहीं।

परिचालन पट्टा : परिचालन पट्टा एक ऐसा पट्टा है जिसमें स्वामित्व से संबंधित जोखिम तथा पारिश्रमिक को हस्तान्तरित नहीं किया जाता है। संक्षिप्त में वित्तीय पट्टे के अतिरिक्त

(ii) लेखान मानक 19 के पैरा 11 ''पट्टा'' के अनुसार पट्टाधारी पट्टे को एक सम्पत्ति के रूप में मान्य तथा वित्तीय पट्टे की स्थापना के समय पट्टे की सम्पत्ति के उचित मूल्य के बराबर की राशि एक दायित्व है। लेकिन यदि पट्टाधीन सम्पत्ति का उचित मूल्य पट्टाधारी के दृष्टिकोण से न्यूनतम पट्टा

© The Institute of Chartered Accountants of India

भुगतान के वर्तमान मूल्य से अधिक हो तो एक सम्पत्ति तथा एक दायित्व के रूप से रिकार्ड की गई राशि पट्टाधारी के दृष्टिकोण से न्यूनतम पट्टा भुगतान का वर्तमान मूल्य की गणना पट्टे में अन्तर्निहित ब्याज दर ही पट्टा दर होती है। यदि ऐसा करना व्यावहारिक हो, यदि न हो तो पट्टे की वृद्धिगत ऋण दर को काम में लाना चाहिये। न्यूनतम पट्टा भुगतान के वर्तमान मूल्य की गणना निम्न है :

वर्ष	न्यूनतम पट्टा भुगतान	वापसी की आन्तरिक दर	वर्तमान मूल्य
1.	6,25,000	0.8696	5,43,500
2.	6,25,000	0.7561	4,72,563
3.	6,25,000	0.6575	4,10,937
4.	7,50,000	0.5718	4,28,850
योग	26,25,000		18,55,850

न्यूनतम पट्टा भुगतान का वर्तमान मूल्य ₹ 18,55,850 उचित मूल्य पट्टा के स्थापना का मूल्य ₹ 20,00,000 से कम है। इसलिए लेखा प्रमाप 19 के अनुसार पट्टा दायित्व ₹ 18,55,850 की मान्यता देगी।

'चौथे वर्ष में गारण्टीशुदा अवशेष मूल्य को शामिल करते हुये न्यूनतम पट्टा भुगतान ₹ 1,25,000 हैं।

20. (अ) 1.01.2015 को निर्गमित बोनस अंशों की संख्या

वर्तमान अंशों पर (50,00,250 × 1 / 2) = 25,00,125 अंश

परिवर्तनीय ऋणपत्रों पर सेबी के निर्देशानुसार बोनस निर्गमन

(1,00,000 ऋणपत्र × 10 अंश × 1 / 2) = 5,00,000 अंश

2014–15 के लिए प्रति अंश मूलभूत अर्जन

$$= \frac{\text{31.03.2015 को वर्ष के अन्त में शुद्ध लाभ}}{\text{31.03.2015 को समता अंशों की भारित औसत संख्या}}$$

$$= \frac{₹\,1,00,25,000}{(50,00,250 + 25,00,125 + 5,00,000)} = ₹\,1.25$$

वर्ष 2013–14 के लिए समायोजित अर्जन प्रति अंश

$$= \frac{₹\,75,50,000}{(50,00,250 + 25,00,125 + 5,00,000)} = ₹\,0.94$$

विमिश्रित प्रति अंश अर्जन के लिये

चालू वर्ष के लिये ब्याज खर्च = ₹ 12,00,000

ब्याज व्यय के सम्बन्ध में कर (30%) = ₹ 3,60,000

© The Institute of Chartered Accountants of India

चालू वर्ष के लिए समायोजित शुद्ध लाभ = 1,00,25,000 + (12,00,000 − 3,60,000) × 3/12

= ₹ 1,02,35,000

ऋणपत्रों के परिवर्तन के फलस्वरूप समता अंशों की संख्या

= 1,00,000 × 10 अंश = 10,00,000

विमिश्रित प्रति अंश अर्जन में प्रयोग होने वाले समता अंशों की संख्या

= 50,00,250 + 25,00,125 + 5,00,000 + (10,00,000 × 3/12)

= 50,00,250 + 25,00,125 + 5,00,000 + 2,50,000

= 82,50,375 अंश

विमिश्रित प्रति अंश अर्जन = 1,02,35,000 / 82,50,375 = ₹ 1.24

नोट : लेखा मानक 20 के अनुसार वर्तमान अंशधारी तथा परिवर्तनीय ऋणपत्रधारी (ऋणपत्र का अंशों में परिवर्तन) को बोनस अंश का निर्गमन, बिना प्रतिफल के निर्गमन है। इसलिए, प्रतिवेदन से पूर्व की अवधि 2013–14 को प्रारम्भ की अवधि में घटित होने के रूप में व्यवहार किया जायेगा।

(ब) लेखा प्रमाप 26 के अनुच्छेद 41 'अदृश्य सम्पत्तियाँ'' के अनुसार शोध पर किये गये खर्च को तब मान्यता दी जाती है जब वह खर्च है। विकास से अमूर्त सम्पत्ति का उदय (या आन्तरिक प्रोजेक्ट के फेज) को मान्यता अवश्य मिलनी चाहिए, यदि अनुच्छेद 44 में बताई गई सभी शर्तों को प्रदर्शित करता है। अदृश्य सम्पत्तियों (विकास से उत्पन्न) को मान्यता नहीं मिलनी चाहिए। जब अनुच्छेद 87 के अनुसार उससे भविष्य में कोई भी आर्थिक लाभ की सम्भावना न हो। इसलिए प्रबन्धक खर्चे को भविष्य के वर्षों में अपलिखित करने को स्थगित नहीं कर सकता।

इसलिए चालू वर्ष 31.03.2015 के अंत में शोध एवं विकास पर किया गया ₹ 20 लाख का व्यय अपलिखित किया जायेगा।

© The Institute of Chartered Accountants of India